सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 255 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 28 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ट्रेलर ने मां-बेटे को रौंदा, स्पॉट में दोनों की मौत

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में एक बार फिर से रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहाँ के सीपत थाना इलाके में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में माँ और बेटे के मौत हो गई। यह हादसा ग्राम पंधी चारपारा मोहल्ले के पास घटित हुई है। एक अज्ञात ट्रेलर ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद ट्रेलर चालक वाहन सहित फरार हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

जानकारी के णुताबिक जांजी गाँव के रहने वाले निवासी 28 साल का हरीश सिंह अपनी मां शकुन सिंह के साथ बाइक से बिलासपुर एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। वे जब वापस घर लौट रहे थे तभी रात 9 बजे पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। ठोकर से नीचे गिरकर दोनों माँ और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सीपत स्थित मर्च्यूरी भिजवाया गया।

बदमाशों ने घर में लगा दी आग

दुर्ग। नंदिनी टाउनशिप में देर रात बदमाशों ने एक घर के दरवाजे को बाहर से ताला जड़कर आग लगाकर लोगों को मारने की कोशिश की। गनीमत रही कि समय रहते पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, और घर में रहने वाले लोग बाल-बाल बच गए। नंदनी टाउन शिप में रहने वाले रामेश्वर कुमार विश्वकर्मा ने थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

रामेश्वर ने बताया कि जब कूलर से धुंआ अंदर आने लगा, तब उन्हें घर में आग लगने का अहसास हुआ। इस पर उन्होंने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन बाहर से बदमाशों ने ताला लगा दिया था। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने पड़ोसियों को फोन पर सूचना दी, जिसके बाद पड़ोसियों ने तत्काल दरवाजा तोड़ा और पानी डालकर आग बुझाया। आगजनी में घर के अंदर खड़ी एक स्विफ्ट कार और एक स्कूटी पूरी तरह जलकर राख हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 326 के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

पाटन। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर ने निजी जमीन पर हो रहे अवैध प्लाटिंग को जेसीबी से समतल किया। साथ ही अफसरों ने नागरिकों को बिना पुख्ता जानकारी के दलालों के जरिए प्लाट खरीदने से बचने की सलाह दी। जानकारी के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 7 व 8 में खसरा क्रमांक 426/1, 426/2, 425/2 और 768 में भूमि स्वामी द्वारा अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसकी जानकारी मिलने पर नगर पालिका परिषद से भूमि स्वामी को 3 बार नोटिस जारी कर अवैध प्लाटिंग रोकने चेतावनी दी गई। लेकिन भूमि स्वामी अवैध प्लाटिंग में लगा रहा। आखिर में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और एसडीएम पाटन के निर्देश पर शुक्रवार को नगर पालिका के अमले ने मौके पर पहुंचकर अवैध प्लाटिंग के लिए मुरुम डालकर बनाए गए मार्ग की संरचना को जेसीबी के माध्यम से समतल कर दिया। सीएमओ प्रीति गुप्ता ने बताया कि बिना अनुमति के कोई भी अवैध रूप से भूखंड बेचने का काम न करे।

बीजापुर में 13 हार्डकोर नक्सलियों ने किया सरेंडर सीएम साय बोले- बंदूक नहीं विकास ही भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को पश्चिम बस्तर डिवीजन के विभिन्न माओवादी संगठनों से जुड़े 13 सक्रिय सदस्यों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 23 लाख रुपये के इनामी माओवादी शामिल हैं, जिनमें कंपनी नंबर-2 की महिला पार्टी सदस्य, एसीएम, केएएमएस अध्यक्ष, पीएलजीए, एलओएस और मिलिशिया प्लाटून के सदस्य हैं। इस सफलता पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बंदूक की राह नहीं विकास ही भविष्य का सही विकल्प है।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 23 लाख का इनामी सहित 8 लाख इनामी महिला नक्सली भी शामिल

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही व्यापक मुहिम को एक बड़ी सफलता मिली। जिले में सक्रिय 23 लाख रुपए के इनामी 13 कुख्यात हार्डकोर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में से दस पर 1 लाख से 8 लाख तक के इनाम घोषित थे। आत्मसमर्पण करने वालों में कई ऐसे माओवादी हैं जो वर्ष 2000 से संगठन में सक्रिय थे। इनमें देवे मुचाकी उर्फ प्रमिला (8 लाख इनाम), कोसा ओयाम उर्फ राजेन्द्र (5 लाख इनाम) और अन्य सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी 2025 से अब तक 270 माओवादी गिरफ्तार हुए, 241 ने आत्मसमर्पण किया और 126 विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि बस्तर क्षेत्र नक्सलमुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सीएम साय बोले- हमारी नीति प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कि यह महत्वपूर्ण आत्मसमर्पण राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति - 2025 और नियद नेल्ला नार योजना की प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिसके माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास का वातावरण और बदलाव की सकारात्मक लहर सृजित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अब नक्सली भी यह समझने लगे हैं कि बंदूक की राह नहीं, बल्कि विकास की राह ही भविष्य का सही विकल्प है। सरकार इन सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, कौशल उन्नयन एवं पुनरुत्थान के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार पूर्णत: संकल्पबद्ध है।

छत्तीसगढ़ में नियद नेल्ला नार योजना बनी बदलाव की धुरी

छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्ला नार योजना ने आत्मसमर्पण की प्रक्रिया को गति दी है। इस योजना के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को पुनर्वास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक पुनर्स्थापना की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इससे नक्सल हिंसा से प्रभावित ग्रामीणों को राहत मिली है और माओवादी मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। बीजापुर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान में डीआरजी, बस्तर फाइटर, एसटीएफ, कोबरा के संयुक्त प्रयासों से यह सफलता हासिल हुई। अभियान का नेतृत्व डीआईजी बीएस नेगी, एसपी डॉ. जितेंद्र यादव और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

माओवादी संगठन को बड़ी चोट

पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में कई सीनियर नक्सली शामिल हैं। इनके आत्मसमपर्ण करने से नक्सली संगठन को बड़ी चोट पहुंची है। बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने कहा है कि माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने और शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ सामाजिक प्रतिष्ठा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर प्राप्त होता है।

पूर्व विधायक शैलेष पाण्डेय की पत्नी से मांगी 20 लाख रुपए फिरौती, आरोपी यूपी से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर मे पूर्व शहर विधायक शैलेष पाण्डेय की पत्नी से फोन पर धमकी देकर 20 लाख की फिरौती की मांग करने वाले आरोपी को पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है।

बता दें की कुछ दिनो पहले बिलासपुर के शहर विधायक की पत्नी रितू पाण्डेय को अग्यात फोन काल से की मिली थी की 20 लाख रूपये दो नही तो उसके परिचित को अगवा कर लिया जायेगा मामले मे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्चू झा उर्फ बबूवा पाण्डेय उर्फ बच्चा पिता - प्रीतनाथ झा, उम्र-30 वर्ष, निवासीवार्ड क्रमांक 10, रहिका थाना, जिला मधुबनी (बिहार) को गिरफ्तार किया है।

25 जून 2025 को पूर्व विधायक शैलेष पाण्डेय निवासी आसमा सिटी थाना सकरी निवासी ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर कॉल कर उनकी परिचित महिला की बेटी को अगवा करने की धमकी दी और 20 लाख की फिरौती की मांग की। इसके बाद थाना प्रभारी सकरी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश रवाना किया गया वाराणसी एवं प्रयागराज पुलिस, जीआरपी तथा आरपीएफ के सहयोग से प्रयागराज रेलवे स्टेशन में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने बताया कि वह पूर्व में शिकायतकर्ता की परिचित महिला की भतीजी के संपर्क में था और विगत कुछ महीनों से बातचीत बंद हो जाने के कारण उसने यह अपराध किया।

यमुनोत्री में भू-धसाव, आवाजाही बंद, सैकड़ों वाहन फंसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

देहरादून ए.। यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड़ के पास देर रात भारी बारिश के चलते भू-धसाव हो गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। इस वजह से सुबह से ही हाईवे के दोनों ओर सैकड़ों श्रद्धालुओं के वाहन फंसे हुए हैं। यमुनोत्री धाम की यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग (एनएच) की मशीनें मौके पर भेजी गई हैं और मलबा हटाने का काम जारी है।

राज्य के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सिरोहबगड़ के पास बंद हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी सोनप्रयाग के समीप अवरुद्ध है। इसके अलावा, बदरीनाथ हाईवे पर पीपलकोटी के पास भनेरपानी में मलबा आने से रास्ता बाधित हो गया है। तीनों स्थानों पर यात्रा वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और यात्रियों को मौसम खुलने का इंतजार है।

विभाग ने जारी किया भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून और नैनीताल जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, बागेश्वर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। अन्य जिलों में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार तीन जुलाई तक पूरे उत्तराखंड में बिजली चमकने और बारिश के आसार बने रहेंगे। जिससे यात्रियों और स्थानीय प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

नहीं रहीं 'कांटा लगा गर्ल': अभिनेत्री मॉडल शेफाली जरीवाला का निधन

मुंबई ए.। इंडस्ट्री से एक दुखभरी खबर सामने आई है। मॉडल और अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का निधन हो गया है। महज 42 साल की उम्र में शेफाली ने अंतिम सांसें लीं। निधन की वजह अब तक सामने नहीं आई है। सबसे पहले विरल भयानी की इंस्टाग्राम पोस्ट में शेफाली के निधन की जानकारी दी गई है।

इसके बाद शेफाली के मेकअप आर्टिस्ट ने अमर उजाला से बातचीत में उनके निधन की पुष्टि की। रोते हुए उन्होंने बस इतना बताया कि शेफाली का निधन हार्ट अटैक से हुआ। परिवार ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

शेफाली मुंबई के अंधेरी लोखंडवाला इलाके में रहती थीं। जानकारी के मुताबिक, अचानक रात 11 बजे के आस-पास उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की। उनके पति पराग त्यागी उन्हें नजदीक के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर रहीं शेफाली ने फिल्म 'मुझसे शादी करोंगी' में अक्षय कुमार और सलमान खान के साथ काम किया।

भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी के मामले में निलंबित हुए पटवारी ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट में लिखा निर्दोष हूं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी के आरोप में निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमे उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

जानकारी के मुताबिक, निलंबित पटवारी सुरेश मिश्रा ने सकरी थाना क्षेत्र स्थित जोकी गांव में अपनी बहन के फार्म हाउस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है और कोटवार एवं एक अन्य व्यक्ति पर फंसाने का आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि के अधिग्रहण में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के मामले में आरोप लगा था। जांच के बाद सुरेश मिश्रा को 25 जून को निलंबित किया गया था। इसपर तोरवा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान ढेका गांव के कुछ भूमि मालिकों के नाम फर्जी तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में जोड़कर गलत मुआवजा प्रकरण तैयार करने की आरोप लगा था। एफआईआर दर्ज होने के बाद सुरेश मिश्रा मानसिक तनाव में थे जो 30 जून को रिटायर्ड होने वाले थे। फिलहाल सुसाइड नोट और मामले की जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

मामले में एडिशनल एसपी सिटी राजेन्द्र जायसवाल ने जानकारी दी है कि थाना सकरी के ग्राम जोकि में सुरेश कुमार मिश्रा पिता पंचराम मिश्रा उम्र 62 वर्ष निवासी अयोध्या नगर रिंग रोड 2 बिलासपुर द्वारा अपनी बहन के फार्म हाउस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है। दो सुसाइड नोट मिले हैं। जांच की जा रही है।

लोग क्या समझते हैं यह ज्यादा महत्वपूर्ण

श्रीकंचनपथ

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ 26 अगस्त से अपना शताब्दी समारोह मनाने जा रहा. संघ ने हमेशा एक ऐसे समाज की रचना करने की कोशिश की है जो एक साथ, एकजुट होकर, सामाजिक चेतना के साथ आगे बढ़े। जो महत्वपूर्ण मुद्दों पर संजीदगी से विमर्श करे और देश को सही दिशा दिखा सके। लोगों को एकजुट करने के लिए और उन्हें सकारात्मकता से जोड़ने के लिए संघ कई प्रकल्प संचालित करता है। इसमें सेवा कार्य भी शामिल है। संघ ने आपदाकाल में भी अपनी इस एकजुट शक्ति का प्रमाण दिया है। संघ में प्रबुद्ध विचारशील लोगों की भी अच्छी खासी संख्या है। संघ प्रमुख समय-समय पर अपने वक्तव्यों से समाज को नई दिशा देने की कोशिश भी करते हैं। पर महत्वपूर्ण यह नहीं है कि संघ या संघ प्रमुख क्या बोलते हैं। इससे भी कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि लोग क्या समझते हैं। जिस तरह शादी की शानदार पार्टियों में स्वागत करने वालों से लेकर बाउंसर तक की जरूरत पड़ती है उसी तरह राजनीति में प्रवेश करने वालों को भी माहौल बनाने वालों की जरूरत पड़ती है। और जो ये माहौल बनाते हैं, कभी-कभी वही उसे बिगाड़ते भी हैं। संघ का नाम लेकर जो लोग रायता फैलाते हैं, यह उन्हीं की कारस्तानी है कि आज पूरा देश एक और विभाजन की कगार पर खड़ा है। यह विभाजन भौगोलिक न होकर वैचारिक है। आध्यात्म के इस देश में बुद्धिजीवी कहलाना अब एक गाली की तरह है। सकुलर शब्द का भी यही हाल है। इसमें भी सबसे बड़ी दिक्कत तो हिन्दुत्व की परिभाषा को लेकर है। संघ का हिन्दुत्व समावेशी है जबकि उसके समर्थक इससे सहमत नहीं है। लोगों के मन में क्या चल रहा है इसकी एक झलक ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में शामिल एक मुस्लिम महिला को लेकर सामने आ चुकी है। बहरहाल, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब कहा कि संघ को यदि एक शब्द में बयान किया जाए तो वह शब्द 'अपनापन' होगा। संघ का उद्देश्य पूरे हिंदू समाज को अपनेपन और स्नेह के सूत्र में बांधना है। हिंदू समाज ने यह जिम्मेदारी भी ली है कि वह पूरी दुनिया को इसी अपनेपन के सूत्र में बांधे। संघ प्रमुख ने कहा कि जानवरों के मुकाबले इंसान के पास बुद्धि होती है। बुद्धि का सही इस्तेमाल कर वह बेहतर बन सकता है, पर इसी बुद्धि का गलत इस्तेमाल उसे बुरा भी बना सकता है। इसे रोकने वाली एकमात्र चीज है अपनापन और स्नेह। 'गिविंग बैक' शब्द आज अंग्रेजी में फैशन बन गया है, लेकिन भारत में यह भावना बहुत पहले से है। अगर कोई आपके प्रति अपनापन दिखा रहा है, तो आपको भी वैसा ही स्नेह और करुणा दिखानी चाहिए। आत्मीयता की इस भावना को और मजबूत किया जाना चाहिए, क्योंकि पूरा विश्व इसी से चलता है। वास्तविक एकता उस सामान्य सूत्र को पहचानने से आती है जो सभी को जोड़ता है। क्या देश सुन रहा है?

संपादकीय

भारत के सपने को पूरा करने एक और कदम

दुनिया का बड़ा देश बनने के लिए बड़ा सपना देखना ही काफी नहीं होता है, उसे पूरा करने के लिए तैयारी करनी पड़ती है। सुविधा व संसाधन जुटाने पड़ते हैं। अरबों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। अपने सुविधा संसाधन न हो तो अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक उपलब्धि के लिए कई दशक लग जाते हैं। 1984 में राकेश शर्मा रूसी अंतरिक्ष यानस सोयूज के जरिए अंतरिक्ष में गए थे और रूसी अंतरिक्ष स्टेशन में कुछ दिन बिताए थे। 41 साल बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सफल उड़ान भरकर नया इतिहास लिखा है। अंतरिक्ष यात्रा के इतिहास में एक अध्याय 1984 में लिखने के बाद दूसरा अध्याय लिखने में भारत को 41 साल लग गए। इससे समझा जा सकता है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में कोई काम करना कितना कठिन होता है। पहली यात्रा इसलिए संभव हुई थी के रूस भारत का मित्र है, मित्रता के चलते उसने एक भारतीय को भी अंतरिक्ष में ले गया।

> ***इसके बाद भारत ने कोई कोशिश ही नहीं की। अंतरिक्ष के क्षेत्र में दूसरे देश आगे बढ़ते रहे और भारत देखता रहा। उसने सोचा नहीं कि इस क्षेत्र में भारत को भी आगे बढ़ना है। तीन दशक तक देश में कई सरकारे आईं गईं लेकिन अंतरिक्ष के क्षेत्र हमें भी कुछ बड़ा करना है यह किसी सरकार ने सोचा नहीं। किसी भी क्षेत्र में कुछ बड़ा करने के लिए देश के राजनीतिक नेतृत्व की भी अहम भूमिका होती है। अफसोस है कि 2014 के पहले देश के किसी राजनीतिक नेतृत्व ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ बड़ा करने सोचा नहीं। चंद्रयान-1 2008 में भेजा गया। इसको दो साल चलना था लेकिन यह 28 अगस्त 2009 को बंद हो गया।***

2014 के बाद नरेंद्र मोदी पीएम बने तो भारत ने पहली बार सोचा कि उसे चंद्रमा पर अपना चंद्रयान उतारना है। इसके लिए काम शुरू हुआ, वैज्ञानिकों ने जितना पैसा मांगा उनको उतना पैसा दिया गया,चंद्रयान-2असफल रहा लेकिन भारत ने हिम्मत नहीं हारी और चंद्रयान-3 भेजा गया और विक्रम लेंडर 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरा।यह चंद्रमा की धरती पर उतरने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष यान था। यह भारत की निजी बड़ी वैश्विक सफलता थी। चंद्रयान के बाद भारत मानव मिशन गगनयान है। इसके लिए भारत को अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव व कई तरह का ज्ञान चाहिए इसलिए एक्सिओम-4 मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को तीन और अन्य यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में भेजा गया है। वह बुधवार को रवाना होकर गुरुवार को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गए हैं। इस तरह शुभांशु आईएएस पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

भारत कभी भी आईएसएस का हिस्सा नहीं रहा है। भारत पहली बार इसका हिस्सा बना है। इसके लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह पैसा प्रशिक्षण, उपकरण, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी में लगे हैं।यह मिशन गगनयान के लिए अभ्यास की तरह है। गगनयान मिशन 27 में लांच होना है। इसके लिए शुभाशु ही एकमात्र अनुभवी व्यक्ति होंगे। माना जा रहा है कि एक्सिओम मिशन से भारत के चार लक्ष्य को पूरा करने में मददगार होगा। ये हैं वर्ष 27 में पहला मानव मिशन गगनयान भेजना,2035 तक अंतरिक्ष मे अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाना, 2040 तक मानव चंद्रमा मिशन भेजना। पीएम मोदी की इस बात के लिए आलोचना की जाती है उनकी विदेश नीति फेल है। उनकी बड़ी सोच व सफल विदेश नीति के कारण है चालीस साल बाद आईएसएस पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजा जा सका है। नरेंद्र मोदी के चलते ही नासा व इसरो के बीच दीर्घकालिक संबंध बने है और इसका फायदा भारत को हो रहा है।

मेडे, ये वो आपात संदेश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़न भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था।

विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है।

हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैंडिग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था।

विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षो में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशियल डंपिंग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं।

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर ड़ाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाइल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं।

मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं। इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है।

मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे।

इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा। रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ ड़ालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

सांख्यिकी दिवस - राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के 75 वर्ष

अल्ताफ हुसैन हाजी, आईएसएस उप महानिदेशक (डीडीजी), राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्रसंकार्य प्रभाग) क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़

सांख्यिकी दिवस 29 जून को प्रतिवर्ष मनाया जाता है,जो 2007 से दिवंगत प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिवसदिवंगत प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा आर्थिक, नियोजन, सांख्यिकी और नीति निर्माण के क्षेत्र में दिए गए बहुमूल्य योगदान के स्मरण में मनाया जाता है। सांख्यिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन, नीति निर्माण, डेटा-संचालित विकास और डेटा-संचालित निर्णय लेने में सांख्यिकी की भूमिका और महत्व के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच। आधिकारिक सांख्यिकी से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की सुविधा के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेना महत्वपूर्ण और सबसे आवश्यक कौशल है।

हर साल सांख्यिकी दिवस पर गहन और केंद्रित ध्यान के लिए वर्तमान राष्ट्रीय महत्व के एक विशेष विषय को चुना जाता है । इस वर्ष 19वें सांख्यिकी दिवस को राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 75 वर्ष विषयकी थीम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 75 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है । इस वर्ष राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण भी एनएसएस - विकसित भारत के लिए एक गौरवशाली अतीत से एक आशाजनक भविष्य विषय के साथ अपना 75वां वर्ष मना रहा है । 1950 से राष्ट्र की सेवा में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) को सौंपे गए कार्यों को जानने और 75वीं वर्षगांठ मनाने की भावना और उत्साह के साथ, वैज्ञानिक सांख्यिकीय प्रतिचयन विधियों द्वारा घरों से डेटा एकत्र करने जैसे सर्वेक्षण मामलों के लिए नागरिकों विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच बेहतर प्रचार और जागरूकता के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के फील्ड ऑपरेशन डिवीजन द्वारा स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ।

राष्ट्रीयसांख्यिकी कार्यालय (पूर्व में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ)) 1950 से राष्ट्र की सेवा में है । यह अपने देशव्यापी नमूना सर्वेक्षणों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर एक मजबूत डेटाबेस विकसित कर रहा है, जो केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को विकास की ठोस योजना बनाने, डेटा आधारित निर्णय लेने, नीति निर्माण में मदद करता है । राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा डेटा संग्रह का मुख्य उद्देश्य विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के योजना निर्माण और कार्यान्वयन नीतियों की सहायता से राष्ट्र की डेटा संचालित विकास प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाना है, ताकि उनके मानक को उन्नत किया जा सके और उनके कार्यान्वयन में बेहतरी लाई जा सके।

एनएसएसद्वाराडेटा संग्रह को उन्नत करने और डेटा संग्रह को अधिक प्रतिक्रियात्मकबनाने के लिए डेटा संग्रह के पहले के पेन और पेपर मोड के स्थानपर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (CAPI) मोड शुरू किया गया है। CAPI कई चीजों को संदर्भित कर सकता है, लेकिन आम तौर पर इसका मतलब है कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (Computer-Assisted Personal Interviewing), सर्वेक्षण आयोजित करने की एक विधि जहां साक्षात्कारकर्ता प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करने के लिए टैबलेट या लैपटॉप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते हैं।

पेन और पेपर मोड से CAPI मोड में आने से कई बदलाव हुए हैं जैसे कि पेपरलेस कार्य, समय की बचत, चयनित प्रतिदर्श ग्रामों और खंडों से डेटा एकत्र करने का आसान तरीका, सूचना देने वालों से बेहतर प्रतिक्रिया, पहले की तुलना में सैंपलिंग और गैर-सैंपलिंग त्रुटियों में कमी और सर्वेक्षण के संकलन के बाद चार महीने के भीतर अंतिम परिणाम सामने लाना। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण में प्रौद्योगिकियों के तेजी से कार्यान्वयन ने डेटा संचालित निर्णय लेने के लिए वर्तमान परिदृश्य में डेटा का महत्व बढ़ाया है। डेटा बहुत महत्वपूर्ण है और डेटा संचालित विकास और निर्णय के लिए इसकी आवश्यकता न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी है। इस प्रकार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस), वैज्ञानिक रूप से सांख्यिकीय प्रतिचयन प्रक्रियाओं द्वारा CAPI मोड के माध्यम से व्यक्तियों, घरों और उद्यमों से प्रामाणिक, सटीक और सार्थक डेटा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के इस महत्व के साथ, इस वर्ष का विषय राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 75 वर्ष चुना गया है और इस आयोजन की भावना राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण द्वारा उत्पादित आधिकारिक आंकड़ों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने और नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को दुनिया में नाम और प्रसिद्धि के साथ भारतीय आधिकारिक सांख्यिकीय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताने का इरादा रखती है।

राष्ट्रीयप तिदर्श सर्वेक्षण भारत सरकार का एकमात्र प्रामाणिक संगठन है जिसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) कहा जाता है, जिसका मुख्य कार्य योजना और नीति निर्माण के लिए सरकार द्वारा आवश्यक होने पर व्यक्ति, परिवारों और उद्यमों से डेटा एकत्र करना है। एनएसओ विभिन्न उपयोगकर्ताओं और हितधारकों की आवश्यकता के अनुसार घरेलू सर्वेक्षण और उद्यम सर्वेक्षण दोनों आयोजित कर रहा है। वर्तमान में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण द्वारा फील्ड ऑपरेशन डिवीजन के माध्यम से निम्नलिखित घरेलू सर्वेक्षण किए जा रहे हैं।

रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)।

विभिन्न अनौपचारिक आर्थिक गतिविधियों के लिए असंगठित क्षेत्र उद्यमों पर वार्षिक सर्वेक्षण(एएसयूएसई) से रोजगार, आर्थिक योगदान और सामाजिक प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

असंगठित प्रतिष्ठानों द्वारा की गई निर्माण गतिविधि और परिवार द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए किए गए निर्माण हेतु राष्ट्रीय खातों की आवश्यकता के लिए घरेलू निर्माण सर्वेक्षण।

पर्यटन वस्तुओं और सेवाओं के मानक में अंतर्राष्ट्रीय तुलना के लिए मूल्यवान जानकारी हेतु राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण।

पर्यटन उपग्रह खातों की तैयारी के लिए घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर बुनियादी मात्रात्मक जानकारी उत्पन्न करने के लिए सामाजिक उपभोग स्वास्थ्य पर घरेलूसर्वेक्षण।

खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं के उपभोग पैटर्न के लिए घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस)।

सेवा क्षेत्र की स्थिति के लिए वार्षिक सेवा क्षेत्र सर्वेक्षण (एएसएसएस)।

बैंकिंग, मुद्रास्फीति आदि में सूचकांक की विभिन्न गणना के लिए विभिन्न मूल्य सर्वेक्षण सीपीआई (आर), सीपीआई (एएल/आरएल), सीपीआई (यू) आदि, तथा अर्थव्यवस्था में मूल मूल्य की गतिविधि के माप के लिए डब्ल्यूपीआई और पीपीआई।

सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में डेटा आधारित निर्णय लेने में पिछले कुछ दशकों में आधिकारिक सांख्यिकी का एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आज विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से लगभग संभव है। इस प्रकार, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों (एनएसओ) और आधिकारिक एजेंसियों के अन्य स्रोतों द्वारा उत्पादित डेटा का न केवल अर्थव्यवस्थाओं के लिए बल्कि समाज के विकास और कल्याण के लिए भी निर्णय लेने हेतुबहुत महत्व और मांग है।

सरकारों और अधिकृत संगठनों द्वारा एकत्रित और प्रसारित किए जाने वाले आधिकारिक आँकड़े विभिन्न क्षेत्रों में कई उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। वे सार्वजनिक नीति को सूचित करने, साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाने और सामाजिक प्रवृत्तियों और स्थितियों के बारे में सार्वजनिक समझ को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये आंकड़े प्रगति की निगरानी, कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और विविध क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए एक आधार प्रदान करते हैं और तभी विशेष बन जाते हैं जब सांख्यिकीय साक्षरता के उद्देश्यों के साथ डेटा की व्याख्या और मूल्यांकन करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल सेट हो।

सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में डेटा आधारित निर्णय लेने में पिछले कुछ दशकों में आधिकारिक सांख्यिकी का एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आज विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से लगभग संभव है। इस प्रकार, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों (एनएसओ) और आधिकारिक एजेंसियों के अन्य स्रोतों द्वारा उत्पादित डेटा का न केवल अर्थव्यवस्थाओं के लिए बल्कि समाज के विकास और कल्याण के लिए भी निर्णय लेने हेतुबहुत महत्व और मांग है।

सांख्यिकीय साक्षरता का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तियों को रोजमर्रा की जिंदगी में सामने आने वाली सांख्यिकीय जानकारी को समझने, व्याख्या करने और उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन करने, सूचित निर्णय लेने और डेटा-संचालित समाज में प्रभावी रूप से भाग लेने की क्षमता से लैस करना है। इसमें सांख्यिकीय अवधारणाओं को समझना, डेटा प्रस्तुति की व्याख्या करना और सांख्यिकी की सीमाओं और संभावित दुरुपयोग को पहचानना शामिल है।

वर्तमान परिदृश्य में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के विभिन्न संकेतकों के लक्ष्यों और उपलब्धियों के संबंध में सांख्यिकीय साक्षरता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2030 तक और उससे पहले एसडीजी के लक्ष्यों और उनकी उपलब्धियों की स्थिति के लिए डेटा की आवश्यकताहै । जैसा कि हम जानते हैं कि सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) हैं: (1) गरीबी समाप्त करना (2) शून्य भूखमरी (3) अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण (4) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (5) लैंगिक समानता (6) स्वच्छ जल और स्वच्छता (7) सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (8) सभ्य कार्य और आर्थिक विकास (9) उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा (10) कम असमानताएँ (11) टिकाऊ शहर और समुदाय (12) जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन (13) जलवायु परिवर्तन (14) पानी के नीचे जीवन (15) जमीन पर जीवन (16) शांति, न्याय और मजबूत संस्थान और (17)लक्ष्यों के लिए भागीदारी। यहां आप सांख्यिकी की अहमियत और शक्ति तथा सांख्यिकीय साक्षरता के महत्व को जानेंगे । इसी प्रकार, विकसित भारत, 2047 के लिए डेटा, जहां स्थिति के संदर्भ में सांख्यिकीय साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका है और विकसित भारत को प्राप्त करने के लिए बेहतर नीतियां बनाने के लिए मिशन और विजन को समझना है।यहां आंकड़े, वैकल्पिक डेटा स्रोतों और अग्रणी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके 2047 तक या उससे पहले विकसित भारत को प्राप्त करने की प्रगति, स्थिति और आगे की राह को मापने का एकमात्र स्रोत हो सकते हैं।

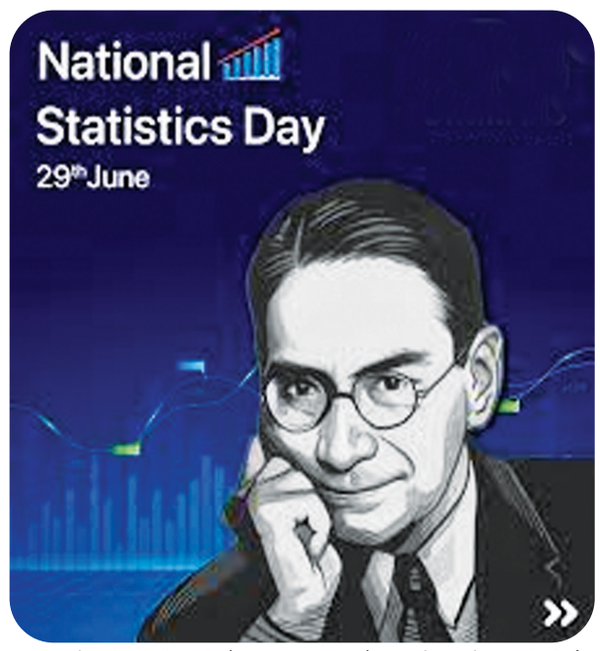

इस प्रकार, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसओ) और आधिकारिक एजेंसियों के अन्य स्रोतों द्वारा उत्पादित डेटा का न केवल अर्थव्यवस्थाओं के लिए बल्कि समाज के विकास और कल्याण के लिए भी अत्यधिक महत्व और मांग है । जून, 2025 महीने की शुरुआत में, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, नीति आयोग और विश्व बैंक द्वारा नीति निर्माण के लिए वैकल्पिक डेटा स्रोतों और फ्रंटियर प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला 5-6 जून, 2025 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें नियोजन के पारंपरिक तरीके के बजाय डेटा आधारित निर्णय लेने के साधनों का उपयोग करने पर जोर दिया गया ।

अंत में यह कहना है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण देश की सांख्यिकी प्रणाली में सांख्यिकीय सुधार लाने के मार्ग पर है, विशेष रूप से आसान तरीके से डेटा संग्रह करने के लिए, जो गौरवशाली अतीत से सीख लेकर अब विकसित भारत के भविष्य का वादा कर रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

शिव वाटिका का हुआ लोकार्पण, अल्का बघामार ने की पूजा अर्चना

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गंजपारा वार्ड-36 के शताब्दी वर्ष पुराने कुएं की सफाई करवाकर, आसपास सौंदर्याकरण करके शिव वाटिका के रुप में गंजपारा का ऐतिहासिक धरोहर बनाया गया। इसका लोकार्पण दुर्ग महापौर अल्का बाघमार और सभापति श्याम शर्मा,पार्षद प्रतिमा सुरेश गुप्ता और नागरिको की उपस्थित में हुआ। जानकारी में बताया कि गंजपारा में 100 वर्ष से भी अधिक पुराने कुंआ, जानकारी के मुताबिक कभी पूरा गंजपारा पानी भरता था और स्नान भी करता था,जो कि पिछले कई वर्षों से कचरा भर जाने के कारण बंद हो गया था।जिसकी सफाई कई दिनों से जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग बोलबम सेवा समिति एवं गंजपारा वासियों के द्वारा कराई गई। इसमें से लगभग कचरा साफ होने के बाद कुंए की सफाई पूरी हुई। उसके बाद कुंआ के आस-पास सौंदर्याकरण कार्य कराया गया। जिसमें दुर्ग नगर निगम पार्षद निधि से रुपए चार लाख की लागत से कुंए के पास नाली निर्माण, कुंए के ऊपर भगवान शिव की विशाल प्रतिमा, आकर्षित साज-सज्जा,आकर्षित पेंटिंग के साथ शिव वाटिका का निर्माण नगर निगम दुर्ग द्वारा कराया गया है।

सर्विसेस जोन में शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सर्विसेस जोन के अंतर्गत आने वाले विभागों हेतु कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 25 जून 2025 को संयंत्र भवन स्थित मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी के सभागार में किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) तुषार कांत ने अपने संबोधन में सर्विसेस के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों में कार्यस्थल से संबंधित चुनौतियों एवं सुरक्षा पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने उत्तम कार्य प्रदर्शन हेतु सभी पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार के लिए किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र एवं सेल-रिफ्रैक्ट्री यूनिट (एसआरयू) के पाँच कर्मियों को एआई एंड यु मिशन प्रतियोगिता के तहत उत्कृष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। सेल स्तर पर आयोजित इस आंतरिक पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में डिजिटल सृजनशीलता को प्रोत्साहित करना और कार्यस्थल पर एआई के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देना है।

निदेशक एवं निदेशक प्रभारी-अतिरिक्त प्रभार मनीष राज गुप्ता ने इस्पात भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में पांचों पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। सम्मानित कर्मियों में वरिष्ठ प्रबंधक (एसएमएस-3) संतोष कुमार ने डीपसीक एआई, क्लाउड.एआई एवं चैटजीपीटी जैसे प्लेटफॉर्म्स की सहायता से एक एआई-सक्षम वेब एप्लिकेशन विकसित किया है, जो साप्ताहिक शिफ्ट रोस्टर को स्वत: तैयार करता है। इस नवाचार ने न केवल समय और श्रम की बचत की है, बल्कि त्रुटियाँ कम कर, त्वरित और अधिक सटीक शेड्यूलिंग को संभव बनाया है। प्रबंधक (मैकेनिकल), सेल-रिफ्रैक्ट्री यूनिट, शुभम किशोर मिश्रा को रिफ्रैक्ट्री ईंटों में सर्फेस डिफेक्ट्स का पता लगाने हेतु विकसित एआई मॉडल के लिए सम्मानित किया गया। उनके इस नवाचार में डीप लर्निंग एवं कंप्यूटर विज़न तकनीकों का उपयोग किया गया है, जो निर्माण प्रक्रिया में गुणवत्ता नियंत्रण को सशक्त बनाता है। सहायक प्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) धर्म राजू बाच्चू को सुरक्षा रिपोर्टिंग, प्रलेखन और कार्यप्रवाह अनुकूलन के लिए एआई - आधारित टूल्स के सफल प्रयोग हेतु सम्मानित किया गया। उन्होंने चैटजीपीटी, एक्सल वीबीए एवं ऑटोमेशन प्रेमवर्क्स के माध्यम से इंस्ट्रूमेंटेशन से जुड़ी प्रक्रियाओं में उत्पादकता और कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया।

महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय ने मेटा प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर प्रशासनिक कार्यों को सरल और प्रभावी बनाने का नवाचार किया, जिसे उनके दैनिक कार्यों में एआई टूल्स के व्यवहारिक अनुप्रयोग के उदाहरण के रूप में सराहा गया।

एचआर-प्रशासनिक सहयोगी राजीव कुशवाहा को गामा एआई, नैपकिन एआई एवं माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे आधुनिक प्लेटफॉर्म्स की सहायता से उच्च गुणवत्ता की व्यावसायिक प्रस्तुतियाँ तैयार करने और डेटा सर्च में दक्षता लाने हेतु सम्मानित किया गया, जिससे संगठनात्मक संवाद एवं निर्णय प्रक्रिया में सुधार हुआ है।

सेल ने डिजिटल परिवर्तन की दिशा में बढ़ाया कदम

मनीष राज गुप्ता ने कहा कि जब सेल ने डिजिटल परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाया था, तब यह शंका थी कि क्या हमारी संगठनात्मक तैयारी पर्याप्त है या बाहरी विशेषज्ञों की सहायता की आवश्यकता होगी। किंतु एआई एंड यु जैसे अभियानों में कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी यह दर्शाती है कि सेल इस क्षेत्र में अपेक्षा से कहीं अधिक सक्षम और परिपक्व है। उन्होंने विश्वास जताया कि एआई एवं डिजिटल तकनीकों को प्रक्रियाओं में एकीकृत कर सेल की कार्यक्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सकेगा। सभी पुरस्कार विजेताओं से आग्रह किया कि वे इस सम्मान को एक नई शुरुआत मानते हुए अपने सहयोगियों को भी एआई टूल्स अपनाने, नवाचार करने और संगठन के सतत विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित करें।

डिजिटल क्रांति का दौर : अब दुर्ग जिले के न्यायालय से इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जारी होंगे समन और वारंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत की न्याय व्यवस्था डिजिटल क्रांति के दौर से गुज़र रही है, जिससे न्याय विभाग भी अछूता नहीं है। न्यायपालिका को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक क़दम उठाते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा वर्चुअल मोड़ के माध्यम से राज्य के सभी ज़िलों में आपराधिक मामलों के लिए ई-समन सुविधा का आधिकारिक शुभारंभ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की अध्यक्षता में 25 जून को किया गया है।

इसी क्रम में 26 जून को प्रधान जिला न्यायाधीश, दुर्ग के निर्देशन में ज़िले के सभी न्यायालयों में नियुक्त कोर्ट मोहर्रिर को इस नई व्यवस्था से रूबरू कराने की पहल करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया

गया। ई- समंत्रणाली न्यायिक प्रक्रिया में तकनीकी सुधारों के अंतर्गत समाविष्ट किया गया एक महत्वपूर्ण नवाचार है। ई-समन प्रणाली लागू होने से इसके माध्यम से न्यायालय से जारी समन और वारंट सीधे डिजिटल रुप में संबंधित थानों को प्राप्त होंगे। न्यायालयों में पदस्थ कोर्ट मोहर्रिर संबंधित प्रकरणों में आदेश अनुसार ई- समन और वारंट सीआईएस (केस इंफॉर्मेशन सिस्टम) के माध्यम से कुछ क्लिक में जारी कर सकेंगे जो सीधे पुलिस विभाग के आईसीजेएस सिस्टम के माध्यम से संबंधित पुलिस थानों में साझा हो जाएंगे। इसके बाद संबंधित थाने के सिपाही उस समन को संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचकर, फ ोटो खींचकर रिपोर्ट अपडेट करने के बाद न्यायालय वापस भेजेंगे। इसमें प्रक्रिया की पूरी जानकारी भी हर स्तर पर ऑनलाइन अपडेट होगी। अब न्यायाधीश एवं न्यायालय के अधिकारी ई समन, वारंट तामील की जानकारी हर स्तर पर ऑनलाइन चेक कर सकेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग ने उपस्थित कोर्ट मोहर्रिर एवं पुलिस आरक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह व्यवस्था न्यायिक प्रक्रिया को और तेज तथा पारदर्शी बनाते हुए ई कोर्ट मिशन मोड़ प्रोजेक्ट और डिजिटल इंडिया पहल के साथ जुड़ने की न्यायालय की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में और तेज़ी आएगी तथा समय की भी बचत होगी।

पालना केन्द्र में क्रेश वर्कर पद हेतु आवेदन 11 जुलाई तक आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 के अंतर्गत नवीन स्वीकृत पालना/क्रेश (आंगनबाड़ी सह पालना) केन्द्र में क्रेश वर्कर के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। क्रेश वर्कर के लिए आवेदन 11 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02, पता-नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा रोड, भिलाई 03 में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे।

नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा वार्ड क्रमांक 11 में नवीन सृजित पालना केन्द्र विद्युत मंडल भिलाई 03 एवं वार्ड क्रमांक 36 के पालना केन्द्र सिरसाकला में क्रेश वर्कर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए ।

आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई होगा अथवा वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 11 जुलाई तक आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र-उरला (अ) में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है।

आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन 11 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02 पता-नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा रोड, भिलाई 03 में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे।

आंगनबाड़ी केन्द्र उरला-अ नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा वार्ड क्रमांक-30 में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई होगा अथवा वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा। आवेदिका की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8वीं उत्तीर्ण।

जनजाति परिवार की महिला होने पर तथा विधवा, परित्यक्ता अथवा तलाकशुदा महिला होने पर निर्धारित अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

डेंगू रोकथाम हेतु बीएसपी व जिला मलेरिया विभाग का संयुक्त अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई टाउनशिप में डेंगू के रोकथाम और नियंत्रण के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के जन स्वास्थ्य अनुभाग तथा जिला मलेरिया विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष डेंगू नियंत्रण एवं जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

इस अभियान का शुभारंभ 27 जून, 2025 को प्रात: सेक्टर-08 स्थित पीएचडी कार्यालय से एक जागरूकता रैली के माध्यम से हुआ। रैली में जिला मलेरिया

अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारा एवं महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) के. के. यादव विषेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अभियान के तहत, जिला मलेरिया विभाग द्वारा भुगतान के आधार पर 120 ब्रीडर चेकर और सर्वेयर की टीम टाउनशिप के सभी घरों में गहन डेंगू सर्वे करेगी, जागरूकता अभियान चलाएगी और निशुल्क टेमिफ्लेस घोल वितरित करेगी। अभियान का उद्देश्य भिलाई टाउनशिप में डेंगू की रोकथाम, नियंत्रण और जनमानस में जागरूकता फैलाना है, जिससे भिलाई टाउनशिप को डेंगू मुक्त रखा जा सके। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा कुछ दिन पूर्व से ही मच्छर जनित रोगों के खिलाफमुहीम प्रारंभ कर दी गई थी। इसमें दवाओं का छिड़काव, फागिंग और समझाईश की जा रही थी। आज प्रारंभ इस अभियान के प्रथम दिन ही सेक्टर-01 के कुल 2000 घरों का ब्रीडर चेकर्स द्वारा डेंगू सर्वे किया गया। इस दौरान कूलरों, पानी की टंकियों व जल स्त्रोतों की जाँच करने के साथ ही लार्वा विनष्टीकरण हेतु टेमिफ्लेस घोल डाला गया तथा लोगों को डेंगू से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सी. बी. एस. बंजारा ने डेंगू रोकथाम के प्रभावी उपायों की जानकारी देते हुए सभी ब्रीडर चेकर्स को समर्पण भाव से काम करने का आह्वान किया, ताकि डेंगू को पूरी तरह रोका जा सके। महाप्रबंधक के. के. यादव ने ब्रीडर चेकर्स को प्रत्येक घरों का निरिक्षण करने के साथ ही आमजन को मच्छरों के लार्वा पनपने वाले स्थानों कूलर, पानी की टंकी सहित सभी जल पात्रों की नियमित जाँच करने तथा स्प्रे एवं पेस्टिसाइड्स के उपयोग के विषय में भी विस्तृत जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया।

बाल श्रम रोकथाम हेतु चलायें विशेष अभियान-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में विगत दिवस महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रेरणा सभाकक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सिंह ने एजेंडावार चर्चा की एवं संबंधित विभागों को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बाल श्रम रोकथाम हेतु सघन अभियान चलाये जाने हेतु संबंधित विभागों को आदेशित किया गया। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत वर्ष 2025-26 से वर्ष 2028-29 तक के लिये लक्ष्यों का निर्धारण शासन द्वारा किया गया है। तद्नुसार वर्ष 2025-26 के लिये जिले की कुल ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में से 40 प्रतिशत् ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने संबंधित विभागों तथा ग्रामसभा के माध्यम से प्रस्ताव प्राप्त किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधियों के प्रयोग तथा बच्चों के अवैध तस्करी की रोकथाम हेतु एक युद्ध नशे के विरूद्ध विषय पर ज्वाइंट एक्शन प्लान एवं सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बालकों हेतु जिले में चिन्हांकित हॉट स्पॉट जगहों पर सघन अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय निरीक्षण समिति को जिले में संचालित शासकीय व अशासकीय बाल देख-रेख संस्थाओं का निरीक्षण करने एवं उनके सुचारू संचालन के लिए अधीक्षक व बाल देख-रेख संस्थाओं को निर्देशित किया गया। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, जिला पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, आयुक्त नगर निगम, जिला योजना अधिकारी रोजगार कार्यालय, अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड, अधीक्षक, बालगृह, बाल सम्प्रेषण गृह, विशेष गृह, प्लेस ऑफसेफ्टी, संरक्षण अधिकारी, नवा विहान, मातृछाया सेवा भारती, दत्तक ग्रहण एजेंसी, खुला आश्रय गृह. तथा डॉ. सुधीर हिशीकर एवं रीता मेश्राम, मनोनीत सदस्य उपस्थित थे।

पोषण देखरेख विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में 26 जून 2025 को महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय दुर्ग के प्रेरणा सभाकक्ष में जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा सेंटर ऑफएक्सीलेंस इन अल्टरनेटिव केयर के सहयोग से पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। महिला एवं बाल विकास अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त प्रशिक्षण में राज्य में संचालित पोषण देखरेख कार्यक्रम (फॉस्टर केयर प्रोग्राम) अंतर्गत उमंग कार्यक्रम के प्रभावी कियान्वयन हेतु हितधारकों की क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षक के रूप में राज्य से डॉ रामचरण चौकसे, कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण नवा रायपुर, यूनिसेफसे सीईएसी डॉ. वसुधरा, मैनेजिंग ट्रस्टी, हितेश कुमार, सोना बर्सन, राज्य प्रोग्राम मैनेजर, फॉस्टर केयर, एवं राहुल जेमा उपस्थित रहें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

स्ट्रीट लाईट व्यवस्था सुधारने सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने दिए निर्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति एवं जोन 2 पदेन अध्यक्ष सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम जोन 2 अध्यक्षीय कार्यालय में निगम एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, अवतार भारती बागल, पार्षद खगपति सोनी, रामहिन कुर्रे, कृतिका जैन, शेख मुशीर, जोन 2 कमिश्नर डॉ. आर.के. डोंगरे, कार्यपालन अभियंता पी.डी घृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया सहित संबंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में जोन 2 के सभी विभागो की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने बैठक में सभी पार्षदो से जनहित में अपील की कि वे अपने वार्डों में जोन अधिकारियों सहित प्रतिदिन सुबह सफ़ाई व्यवस्था का निरीक्षण कर उसे अधिकारियों से समन्वय बनाकर सुधारने का कार्य करवाये। सभापति ने जोन के सभी वार्डो में बारिश में स्ट्रीट लाईट व्यवस्था सुचारू बनाने निगम मुख्यालय विद्युत विभाग को आवश्यक प्रस्ताव देकर कार्यवाही जनहित में करने के निर्देश दिये। सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने कार्यादेश के बाद भी स्वीकृत विकास कार्य वार्डो में पूर्ण नहीं होने पर संबंधित अनुबंधित ठेकेदार को अंतिम नोटिस देकर कार्य नहीं करने पर नियमानुसार ठेका निरस्त करने की कड़ी कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है।

तालाब की जमीन से कब्जा हटाया

रायपुर। नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 के नगर निवेश विभाग की टीम ने जेसीबी और श्रमिकों की सहायता से स्थल पर वार्ड 2 में खसरा क्रमांक 410/1 सोनडोंगरी तालाब को पाट कर किये गए अवैध कब्जे को हटाया गया तथा अवैध रूप से निर्मित सड़क को तोड़कर हटाने की कार्यवाही की गयी है. यातायात पुलिस बल, थाना पुलिस बल एवं टीम प्रहरी के अभियान के अंतर्गत उक्त कार्यवाही करते हुए नगर निगम रायपुर को इस सम्बन्ध में प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

जोन-5 में नगर निगम टीम की त्वरित कार्रवाई, जीई मार्ग से सूखे पेड़ हटाए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक-5 के उद्यान विभाग की टीम ने एक महत्वपूर्ण जनहित कार्य करते हुए राजकुमार कॉलेज के पास स्थित जीई मार्ग से सूखे और खतरनाक पेड़ों को हटाया। यह कार्रवाई नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई, क्योंकि लंबे समय से सूखे पेड़ों की वजह से मार्ग पर चलने वाले वाहनों और राहगीरों के लिए संभावित खतरा बना हुआ था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीई मार्ग पर स्थित कुछ पुराने वृक्ष लंबे समय से सूख चुके थे और अपनी जड़ से कमजोर हो चुके थे, जिससे कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई थी। बारिश के मौसम की शुरुआत को देखते हुए यह खतरा और बढ़ गया था। स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों द्वारा समय-समय पर इसकी शिकायत निगम को दी जा रही थी।

इस पर निगम आयुक्त और जोन-5 के जोन कमिश्नर के निर्देश पर उद्यान विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि कुछ पेड़ बेहद खतरनाक स्थिति में हैं, जिनका गिरना न केवल वाहन चालकों बल्कि राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इसके बाद त्वरित निर्णय लेते हुए विशेष श्रमिक दल और आवश्यक उपकरणों की मदद से पेड़ों की छंटाई और उन्मूलन की प्रक्रिया शुरू की गई। उद्यान विभाग द्वारा की गई इस कार्यवाही के तहत मार्ग पर अवरोध उत्पन्न कर रहे सूखे वृक्षों को काटकर सुरक्षित ढंग से हटाया गया, जिससे मार्ग पूरी तरह साफ हो गया और किसी भी तरह के हादसे की आशंका समाप्त हो गई। पेड़ों को काटने के पश्चात विभाग की टीम ने सड़क पर गिरे पत्ते, टहनियां और अन्य अवशेषों की सफाई भी तत्काल कर दी, जिससे क्षेत्र में सफाई और स्वच्छता बनी रहे।

इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बाधित न होने देने के उद्देश्य से पुलिस विभाग के सहयोग से मार्ग पर आवश्यक रूप से ट्रैफिक डायवर्जन भी किया गया था। निगम अधिकारियों की सतर्कता और योजनाबद्ध कार्रवाई से कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न हुआ। इस कार्य को लेकर स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम की तत्परता की सराहना की और कहा कि ऐसे पुराने और खतरनाक पेड़ों को हटाने की मांग वे लंबे समय से कर रहे थे। इससे मार्ग पर चलने वाले वाहनों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में बारिश को ध्यान में रखते हुए अन्य जोन क्षेत्रों में भी ऐसे सूखे एवं खतरनाक पेड़ों की पहचान कर उन्हें हटाने की कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। इसके लिए विशेष सर्वे दल गठित किया गया है जो शहर भर में चिन्हांकन कर उचित कार्रवाई करेगा। निगम जोन-5 के उद्यान प्रभारी ने बताया कि यह कार्य न केवल नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के लिए नए पौधे लगाने की योजना भी बनाई जा रही है। हटाए गए पेड़ों के स्थान पर मानसून में नये पौधे रोपित किए जाएंगे, जिससे हरियाली बनी रहे।

इंदौर की तर्ज पर रायपुर में जनजागरण अभियान चलाने एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे-महापौर चौबे

सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर आम जनता को जागरूक बनाकर पूर्ण प्रभावी प्रतिबंध लागू करेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदौर नगर निगम के बेहतर कामकाज को देखकर प्रदेश के सभी महापौर, आयुक्त व अधिकारियों का दल वापस लौट गए हैं। अब अपने-अपने निगम कार्यक्षेत्र में इसे लागू करवाने का प्रयास करेंगे।

रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि रायपुर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण व्यवहारिक प्रतिबंध लगाने प्रयास किया जायेगा। इसमें एनजीओ को जोड़कर आमजनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में जागरूक बनाया जाकर प्रभावी प्रतिबंध लागू किया जायेगा। सभी 10 जोनो में आरआरआर रियूज, रिड्यूज, रिसाइकल केन्द्र को अपग्रेड करते हुए एनजीओ के माध्यम से उनका रायपुर में प्रभावी संचालन किया जायेगा। नगर पालिक निगम रायपुर में उप अभियंताओं को स्वच्छता कार्य की मॉनिटरिंग में लगाया जायेगा। महापौर ने कहा कि रायपुर में शत प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का प्रभावी क्रियान्वयन करने 20 कर्मचारियों की टीम गठित कर सफ़ाई वाहनों की ट्रेकिंग का कार्य करेंगे।

महापौर ने कहा कि इंदौर में पूर्ण रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध है एवं इसके उपयोग पर जुर्माना किया जाता है। यहाँ तक की कचरा अलग-अलग करके अगर गाड़ी में डालने जाओ तो कचरा नहीं उठाया जाता है। 6 बिन सेग्रीगेशन - इंदौर में विशेष रूप से जो सबसे प्रभावी लगा, वो है यहां का 6 प्रकार से कचरा अलग-अलग करना एवं शत- प्रतिशत घरो से कचरा संग्रहण। इससे कचरे का प्रबंधन और साइंटिफिक तरीके से उसकी रिसाइकलिंग आसान हो जाती है। इससे पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचता है। आत्मनिर्भर वार्ड - इंदौर में वार्ड अपने यहां निकलने वाले कचरा का प्रबंधन अपने वार्ड में ही प्रोसेस और रिसाइकल करते हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है। इंदौर का यह आत्मनिर्भर वार्ड का

कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा है। कपड़े की रिसाइकलिंग - इंदौर में टेक्सटाइल इंडस्ट्री से निकलने वाली कपड़े की कतरन और अन्य वेस्ट को भी प्रोसेस कर रिसाइकल कर रीयूज किया जाता है जो कि बहुत अच्छा मॉडल है।

इंदौर में मुझे देखने में आया कि ज्यादातर नालियां कवर्ड हैं। इससे नालियों में कचरा नहीं जाता और बरसात में नाले-नालियां जाम नहीं होती।आरआरआर केंद्र - इंदौर में देखने में आया कि आरआरआर केंद्र जहां उपयोग की गई वस्तु को जरुरत मन्द लोगो को पुन: उपयोग हेतु कलेक्ट करना, एनजीओ के माध्यम से बढिया ढंग से संचालित किये जा रहे है।

महापौर ने कहा कि रायपुर की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में यह पाया गया कि इंदौर नगर निगम स्वच्छता व्यवस्था में आत्मनिर्भरता की दिशा में सफ्लतापूर्वक कार्य कर रहा है। इंदौर में कचरा संग्रहण का कार्य नगर निगम स्वयं करता है-घर घर से कचरा एकत्र कर सीधे ट्रांसफ़र स्टेशन और प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुँचाया जाता है। इस मॉडल के अंतर्गत मानव संसाधन, वाहन, सॉफ्टवेयर एवं निगरानी प्रणाली सभी निगम के स्वामित्व में हैं. जिससे लागत प्रभावशीलता और सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

महापौर ने कहा कि रायपुर नगर निगम के वर्तमान आउटसोर्सिंग एक विशेष टास्क फोर्स का गठन करेंगे, जो ठेकेदार कंपनी के कार्यों की नियमित और गहन निगरानी करेगी। महापौर ने आगे कहा कि जनजागरूकता के क्षेत्र में भी इंदौर की तर्ज पर रायपुर में भी जागरूकता अभियान चलाने हेतु एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राज्य शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। महापौर श्रीमती चौबे ने बताया कि प्रत्येक जोन पर नए कचरा ट्रांसफ़र स्टेशन, सेकेंडरी कलेक्शन पॉइंट को बनाने के लिए सर्वे कर शासन से राशि की मांग की जाएगी, जिससे शहर में व्यवस्थित तरीके से कचरा प्रबंधन किया जा सके।

महापौर ने कहा कि रायपुर नगर निगम द्वारा वार्ड का नक्शा तैयार करने का कार्य शहर हित में पूरी गंभीरता के साथ किया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड के नाला, नाली, सडक, उद्यान, तालाब, शासकीय भवन, सामुदायिक भवन, बीएसयूपी परिसर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रसाधन व्यवस्था, नगर निवेश विभाग द्वारा स्वीकृत कालोनियों सहित अवैध कालोनियों, स्ट्रीट लाईट, विद्युत पोलो की जानकारी प्रत्येक वार्ड के मैप में दी जायेगी। यह कार्य वास्तुविदो के माध्यम से वार्ड पार्षदो से समन्वय बनाकर जोनों के अभियंताओं की टीम द्वारा शहर हेतु किया जा रहा है। जिसमें भविष्य की दृष्टि से अच्छी व्यवस्थाएं कायम करने नगर निगम रायपुर का यह वार्ड डेव्हल्पमेंट प्लान और सिटी डेव्हल्पमेंट प्लान उपयोगी सिद्ध हो सकेगा।

अतिरिक्त कर्मचारी संसाधन लगवाकर करवाएं नालियों की सफाई- गायत्री

शहर को मच्छर मुक्त बनाने कार्य योजना बनाकर कार्य करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग सलाहकार समिति की बैठक विभाग की अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर ने ली । सलाहकार समिति की बैठक में रायपुर निगम क्षेत्र के नाले, नालियों की सफाई जेसीबी मशीन एवं कामगार अतिरिक्त रूप से लगाकर करवाने के निर्देश विभाग की अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर ने दिये।

एमआईसी सदस्य गायत्री सुनील चंद्राकर ने रायपुर शहर को मच्छर मुक्त बनाने ठोस कार्य योजना बनाकर उस पर शहर हित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से कार्य करने का सुझाव दिया है। विभाग के अध्यक्ष ने सलाहकार समिति की बैठक में बारिष के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को विशेष सतर्कता और सजगता के साथ शहर में कही भी जलभराव की समस्या ना आने पाये यह सुनिश्चित करने सतत मॉनिटरिंग कर सफाई कार्य प्राथमिकता से करवाना है। ताकि नागरिको को बारिष में जलभराव से किसी प्रकार की असुविधा ना होने पाये।

स्वास्थ्य सलाहकार समिति की बैठक में सदस्य जोन 9 अध्यक्ष गोपेश कुमार साहू, जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, पार्षद मनोज जांगडे, आषु चंद्रवंशी, कृतिका जैन, स्वप्निल मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, स्वच्छ भारत मिशन के कार्यपालन अभियंता रधुमणी प्रधान, सहायक अभियंता योगेश कडु सहित सभी जोनो के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने महाराष्ट्र मंडल करेगा पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की स्वावलंबन समिति बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करेगी। बेटियों के अभिभावकों के व्यवसाय के प्रति नजरिए में बदलाव लाने का प्रयत्न किए जाएंगे। अभिभावकों में व्यवसाय में आत्मनिर्भर मॉडल के प्रति विश्वास जगाया जाएगा। जिनकी लड़कियां स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहती है, उन्हें पूरी तरह मदद की जाएगी।

स्वावलंबन समिति की प्रमुख शताब्दी पांडेय ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल स्वावलंबन समिति की बैठक मंडल कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें तय किया गया कि प्रत्येक माह एक बार समिति के सदस्यों की बैठक होगी। मंडल में एक ऐसा प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा, जिसमें सभी प्रकार के व्यवसाय करने वाले मराठी भाषी जुड़ेंगे। इससे एक-दूसरे के प्रति व्यवसाय- व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा। सर्वप्रथम मंडल से जुड़े चुने हुए व्यवसायियों की सफलता की कहानी पर सत्र होगा, जो लोगों के लिए प्रेरणा का आधार बनेगा। साल 2047 के विकसित भारत की दृष्टि से स्कूली विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित किया जाएगा।

सचिव चेतन दंडवते ने कहा कि जीएसटी एवं अन्य आवश्यक नियम- शर्तों के अनुपालन, दस्तावेजीकरण, सरकारी योजनाओं का युवा उद्यमियों के लिए लाभ पर विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे। वहीं युवाओं को उद्यम से जोड़ा जाएगा। बेटियों पर विशेष फोकस किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र मंडल बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। मंडल के संत ज्ञानेश्वर स्कूल में बच्चियों को 20 फीसद की विशेष छूट और दिव्यांग बालिका विकास गृह में बच्चियों का लालन-पालन किया जाता है।

रायपुर पश्चिम में बिजली तारों को करेंगे अंडर ग्राउंड केबल के रूप में परिवर्तित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने आज रायपुरा चौक में 433.37 लाख रुपए की लागत से होने वाले अंडर ग्राउंड केबलिंग कार्य का श्रीफल फोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर मुख्य अभियंता बिजली विभाग मधुकर जमुलकर अधीक्षण अभियंता महावीर विश्वकर्मा कार्यपालन अभियंता वी के तिवारी शिव गुप्ता लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता राजीव नशीने ,जोन आयुक्त श्रीमती राजश्री पटेल एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

अंडर ग्राउंड बिजली केबल का यह कार्य मनुआस रियल्टी मैरिज पैलेस चौक रायपुरा ,राज ट्रेडर्स से प्रतिमा हार्डवेयर तक,गोल चौक के पास डीडी नगर, मंजीत टावर के पास, कामाख्या रेस्टोरेंट के पास, राजा बैटरी से सन्नी ट्रेडर्स तक किया जाएगा। विधायक श्री मूणत ने बताया कि जैसे ही यह अंडर ग्राउंड केबल कार्य पूर्ण

हो जाएगा इसके शीघ्र बाद यहां पर लोक निर्माण विभाग से चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा।

श्री मूणत ने कहा कि इस चौड़ीकरण का कारण यहां लगने वाले ट्रैफिक जाम को दूर करना है जिससे जनसाधारण को आवागमन में सुविधा हो। बिजली वायरों को अंडर ग्राउंड करने का कारण यह है कि इसके बाद यहां लगे बिजली खंभे हट जायेंगे जिससे यह मार्ग और अधिक चौड़ा हो जाएगा। इसके बाद उनका प्रयास विवेकानंद आश्रम से अनुपम गार्डन तक के बिजली वायरों को अंडर ग्राउंड करने का रहेगा।

श्री मूणत ने बताया कि रायपुर पश्चिम विधानसभा में विकास के कार्य निरंतर जारी है और यह धारा अनवरत बहती रहे इसके लिए वे निरंतर प्रयत्नशील रहते है। भेस थान में रिक्त पड़ी भूमि पर वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाने के लिए रुपए 17 करोड़ की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है और इसके लिए निविदा आमंत्रित की जा रही है। ठक्करबापा वार्ड में लंबे समय से पानी की समस्या के दृष्टिगत वहां पर रुपए 19 करोड़ की लागत से पानी टंकी पाइप लाइन निर्माण की स्वीकृति भी मिल चुकी है। जल्द ही सरस्वती नगर थाना के पास आमनाका बस डिपो की रिक्त भूमि पर मल्टी परपस स्पोर्ट्स हॉल के बनवाने के लिए भी प्रयास जारी है।

राजधानी में ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ की सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए पिछले सात वर्षों से अथक प्रयास कर रही ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ ने देवपुरी के थोक सब्जी बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) के खिलाफ एक जोरदार जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य व्यापारियों और आम जनता को प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर परिणामों के प्रति सचेत करना और प्लास्टिक-मुक्त वातावरण की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था। अभियान के दौरान, ग्रीन आर्मी के ऊर्जावान स्वयंसेवकों ने कई प्रभावशाली नारे लगाए। इनमें पाउच, पन्नी, पॉलीथिन - प्रकृति के दुश्मन तीन! विशेष रूप से खरीदारों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा।

बंद करो ये प्लास्टिक का जाल, नहीं तो होगा बेड़ा गर्क, सबका हाल! धरती माँ पुकारे, प्लास्टिक का बहिष्कार करें, भविष्य संवारें! प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ, पाउच पन्नी पॉलीथिन प्रकृति के दुश्मन तीन संस्था ने उपस्थित जनसमूह को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाली घातक बीमारियों और दूरगामी पर्यावरणीय परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विशेष रूप से थोक और फुटकर व्यापारियों से पॉलीथिन का उपयोग तुरंत बंद करने की अपील की। देवपुरी बाजार अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी जी से भी बाजार को प्लास्टिक-मुक्त बनाने में सहयोग का आग्रह किया गया।

इस महत्वपूर्ण अभियान में नगर निगम से अनिल झा और उनकी टीम की सक्रिय उपस्थिति ने इस पर्यावरणीय मुहिम को और भी बल दिया। यह दर्शाता है कि स्थानीय प्रशासन भी इस नेक पहल का समर्थन कर रहा है। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सिंगल यूज प्लास्टिक से हो रहे प्रदूषण के कारण धरती माँ की साँसें घुट रही हैं, हमारी धरती प्रदूषित हो रही है और पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने घरों, आस-पास के बाजारों और अपने समुदायों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस मुहिम के तहत आज देवपुरी जोन के अंतर्गत थोक सब्जी मंडी में एक विशाल रैली भी निकाली गई। इस रैली में सुनील कर्मकार, संजय भौमिक, अमिताभ दुबे, गुरदीप टुटेजा, श्रीनिवास रेड्डी (अध्यक्ष, सब्जी मंडी), राजूलाल यादव, ढेकवेकर, निधि अग्रवाल, भारती श्रीवास्तव, मोनिका बागरेचा, राधिका मैडम, विनय चौरे, चांदनी देवांगन, हरप्रीत जी, ब्राह्मणपारा और देवपुरी ज़ोन के पदाधिकारियों के साथ-साथ नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ एक स्वच्छ, स्वस्थ और प्लास्टिक-मुक्त भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अवनीत कौर ने ऑरेंज ड्रेस में गिराई बिजली, फोटोशूट से सोशल मीडिया पर मचाई सनसनी

एक्ट्रेस अवनीत कौर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं। उन्होंने हाल ही में ऑरेंज हॉल्टर नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो चुकी हैं। इस ड्रेस में अवनीत न केवल बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, बल्कि उनका कॉन्फिडेंट अंदाज भी फैंस को दीवाना बना रहा है।

पोस्ट के कैप्शन में अवनीत ने लिखा, मुझे मेरे दिमाग से बाहर निकालो और उनके इस हॉट अवतार पर सेलेब्स भी फिदा हो गए। टन्या चौधरी ने लिखा होश उड़ जाना! इसे प्यार करना वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस और फैशन क्वीन कहा। इस लुक को और खास बना रही है उनकी डीप नेक ड्रेस का फिनिशिंग कट और सटल मेकअप के साथ रेड लिपस्टिक। अवनीत का ये अंदाज उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

अवनीत कौर न सिर्फ अपने अभिनय के लिए बल्कि अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि वो यंग जनरेशन की स्टाइल आइकन हैं। हर नए फोटोशूट के साथ वह फैशन बार को और ऊपर उठा रही हैं। उनकी इस पोस्ट पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं। अवनीत की ये बोल्ड तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वो आने वाले समय में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रश्मिका ने किया अपनी नई फिल्म का ऐलान, पहला पोस्टर आया सामने, अंधेरे जंगल में भाला लिए नजर आई अभिनेत्री

हाल ही में रश्मिका मंदाना धनुष अभिनीत कुबेर से चर्चा में हैं। अभिनेत्री इसके अलावा कई और प्रोजक्ट्स पर काम कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें वो एक योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। आइए जानते हैं क्या है वह अपडेट।

अभिनेत्री रश्मिका मंदान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें उन्हें योद्धा के अवतार में देखा जा सकता है। पोस्टर में अभिनेत्री का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन वो रौद्र रूप में दिख रही हैं और उनके हाथ में भाला भी है। उनके चारों तरफ तबाही का मंजर है और कुछ लोग उन पर हमला करने के लिए उनका पीछा कर रहे हैं, जिनका अभिनेत्री डटकर सामना करती दिख रही हैं।

रश्मिका मंदाना ने अपनी आगामी फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए, फिल्म के बारे में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया की फिल्म के टाइटल की घोषणा शुक्रवार यानी कि 27 जून को सुबह 10 बजकर 8 मिनट पर होगी। इसके साथ ही अभिनेत्री ने स्टोरी के कैप्शन में लिखा कि उनकी इस फिल्म का टाइटल क्या होगा कोई बता सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगता है कि कोई नहीं बता सकता, लेकिन अगर कोई बता देता है तो वह उनसे जरूर मिलेंगी।

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो इस समय अभिनेत्री धनुष की कुबेर में नजर आ रही हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

'आमि डाकिनी' की शूट के दौरान आई चोट : राची शर्मा

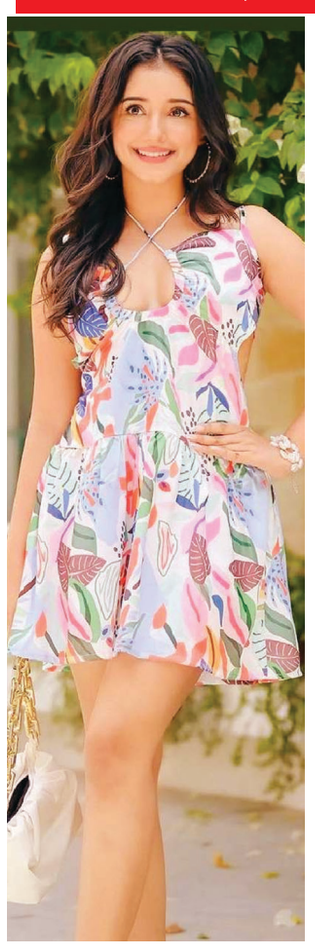

एक्ट्रेस राची शर्मा इन दिनों हॉरर शो 'आमि डाकिनी' को लेकर चर्चा में हैं। वह शो में मीरा का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अपनी भूमिका निभाने के लिए भावनात्मक और शारीरिक दोनों तरह से काफी मेहनत करनी पड़ी।

राची शर्मा ने कहा, 'आमि डाकिनी' मेरे अब तक किए गए सभी कामों से बहुत अलग है। इस शो की शूटिंग का तरीका थोड़ा मुश्किल है। शूट के दौरान मुझे कुछ चोट भी आई है, लेकिन शुक्र है कि ये ज्यादा गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह बेहद खुश हैं कि उन्हें मदद करने वाले लोग मिले हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं वास्तव में आभारी हूं कि मेरे साथ ऐसे निर्माता हैं, जो काफी मदद करने वाले हैं। शो और मेरे किरदार के लिए अब तक जो प्रतिक्रियाएं मिली हैं, सभी अद्भुत हैं। मैं इससे काफी खुश हूं।'

'आमि डाकिनी' कहानी डाकिनी नाम की एक रहस्यमयी औरत की है। वह दिखने में बेहद खूबसूरत है, लेकिन स्वभाव से काफी जिद्दी है। वह बहुत कम बोलती है, लेकिन उसकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है। उसकी नजरें लोगों को अस्थिर कर देती हैं और उसकी मौजूदगी बहुत गहरा असर छोड़ती है। उसे सिर्फ एक ही चीज चाहिए, और वो है अपना खोया हुआ प्यार, उसका पति। उसके इस सफर में प्यार, जुनून और विनाश हैं। अगर कोई उसके रास्ते में आता है, तो वह जिंदा नहीं बचता। थ्रिलर से भरपूर 'आमि डाकिनी' में गहराई और भावनाओं का ताना-बाना है, जो सीधे दिल को छू जाता है। डाकिनी के किरदार में एक्ट्रेस शीन दास हैं। एक्टर हितेश भारद्वाज शो में अयान रॉय चौधरी का किरदार निभा रहे हैं। वह एक ऐसा आदमी है, जो चीजों पर शक करता है, लेकिन कहानी में वह एक ऐसी जादुई और अजीब दुनिया में पहुंच जाता है, जो पूरी तरह से अनजानी है। 'आमि डाकिनी' शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

श्रीलीला की मुश्किलें बढ़ी तीसरी फिल्म से बाहर

हर उभरते हुए अभिनेता के लिए, फिल्म उद्योग में यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी होती है। जहां कुछ सितारे आसानी से ऊपर चढ़ते हैं, वहीं अन्य को स्टारडम तक पहुंचने से पहले बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ऐसा लग रहा है कि श्रीलीला अभी इसी तरह के दौर से गुजर रही हैं।

धमाका और भगवंत केसरी जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली टॉलीवुड की नौसिखिया, अब कुछ परियोजनाओं के साथ अपने बड़े बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। लेकिन तेलुगु सिनेमा में घर वापस, चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं चल रही हैं।

दो प्रमुख परियोजनाओं - नवीन पॉलीशेट्टी के साथ अनगनगा ओका राजू और एक अनाम नागा चैतन्य फिल्म से बाहर होने के बाद, श्रीलीला ने अब अपनी तीसरी बड़ी फिल्म छोड़ दी है। अखिल अक्किनेनी की राजनीतिक ड्रामा लेनिन। किशोर अब्बुरू द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अखिल एक नए अवतार में हैं। श्रीलीला को पहले महिला प्रधान भूमिका के लिए चुना गया था और उन्होंने कुछ हिस्से की शूटिंग भी कर ली थी

अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ रोमांस करते नजर आएंगे एक्टर कार्तिक आर्यन

लगता है कि एक्टर कार्तिक आर्यन का जलवा कायम है! क्रोएशिया में अपनी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग पूरी करने के बाद, उनके लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट ने उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं।

कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी से अपने मशहूर रूही बाबा अवतार में एक तस्वीर शेयर की है। बाबा की ड्रेस में, वह हाथ में वुडू की गुड़िया पकड़े नजर आ रहे हैं। कार्तिक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आई लाबूबू यू। कार्तिक के लेटेस्ट अपडेट को 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म - भूल भुलैया-4 के लिए एक संकेत के तौर पर देखा जा सकता है।

हालांकि, इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आपकी याददाश्त को ताजा करते हुए, कार्तिक ने भूल भुलैया 2 में अक्षय कुमार की जगह ली थी और तब से वह इस सीरीज का चेहरा बने हुए हैं। उनकी दोनों फिल्में, भूल भुलैया 2 और भूल भुलैया 3 को दर्शकों ने खूब सराहा था। इस बीच, कार्तिक वर्तमान में करण जौहर की फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में व्यस्त हैं, जहां वह अनन्या पांडे के साथ रोमांस करते नजर आएंगे।

लूडो की शूटिंग के दौरान घबरा गई थीं फातिमा सना शेख, बोलीं- छोटी-सी लाइन भी नहीं बोल पाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने फिल्म लूडो की शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सीन में उन्हें अपने को-स्टार राजकुमार राव को डायलॉग शुरू करने का इशारा देना था, ताकि वह अपना मोनोलॉग शुरू कर सकें, लेकिन वह बार-बार अपनी लाइन भूल जाती थीं और सीन को दोबारा शुरू करना पड़ता था।

उन्होंने कहा, एक फिल्म पर एक एक्टर का कंट्रोल बहुत सीमित होता है। एक्टर सिर्फ अपनी एक्टिंग तक ही योगदान दे सकता है। उसके बाद निर्देशक तय करता है कि कौन सा सीन फिल्म में रखा जाएगा और कौन सा नहीं। हमें उस पर कुछ नहीं कहते।

फातिमा ने फिल्म लूडो के उस सीन को याद किया, जिसमें वह बार-बार अपनी लाइन भूल रही थीं। उस दौरान उनके को-स्टार राजकुमार राव ने काफी धैर्य दिखाया। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु ने भी उन्हें शांत और सहज महसूस करवाया, ताकि वह घबराए नहीं।

फातिमा ने कहा, फिल्म लूडो में मेरा और राजकुमार का एक सीन था, जिसमें राजकुमार को मोनोलॉग शुरू करना था। मेरी सिर्फ 3-4 लाइनें थीं, जो उन्हें इशारा देने के लिए थीं, ताकि वो अपना डायलॉग शुरू कर सकें। लेकिन मैं वो छोटी-सी लाइनें भी ठीक से नहीं बोल पा रही थी। इस बात का बहुत बुरा लग रहा था, क्योंकि इससे मैं और ज्यादा घबराने लगी थी और दोबारा लाइनें भूलने लगी। ऐसे में अनुराग बसु और राजकुमार राव चाहते तो नाराज हो सकते थे, लेकिन उन्होंने बड़े ही प्यार से कहा, फैटी, इट्स ओके।

बता दें कि फातिमा का निकनेम फैटी है।

उन्होंने कहा, ऐसे वक्त पर ही समझ में आता है कि दूसरे लोग आपको कितना सपोर्ट करते हैं। अब जब कोई मेरे सामने लाइन भूलता है या गलती करता है, तो मैं नाराज नहीं होती। मैं उसे समझदारी से संभालती हूं।

फातिमा इन दिनों मेट्रो... इन दिनों के प्रचार में जुटी हैं। ये फिल्म 4 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है हल्दी

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जो लगभग हर रसोई में मौजूद होता है। आमतौर पर हल्दी का उपयोग खाने में किया जाता है, लेकिन इसके कई अन्य अनोखे और उपयोगी फायदे भी हैं। इस लेख में हम आपको हल्दी के कुछ ऐसे बेहतरीन उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं।

फर्श की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो फर्श की सफाई के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आप अपने घर के फर्श को कीटाणुमुक्त करना चाहते हैं तो एक बाल्टी पानी में हल्दी पाउडर मिलाकर उससे पोछा लगाएं। इससे न केवल फर्श साफ होगा, बल्कि उसमें एक अच्छी खुशबू भी आएगी। यह तरीका खासतौर पर उन घरों के लिए फायदेमंद है जहां छोटे बच्चे या पालतू जानवर होते हैं।

कपड़ों की रंगत बनाए रखने में है कारगर

एक चुटकी हल्दी का इस्तेमाल कपड़ों की रंगत बनाए रखने के लिए भी किया जा सकता है। अगर आप अपने कपड़ों पर हल्दी का पानी लगाकर धूप में सुखाते हैं तो इससे कपड़ों की रंगत बरकरार रहती है और वे फीके नहीं होते। इसके अलावा

हल्दी कपड़ों को कीटाणुओं से भी बचाती है और उनमें एक अच्छी खुशबू छोड़ती है। यह तरीका हल्के रंग के कपड़ों के लिए बहुत प्रभावी है।

घाव और जलने पर लगाएं

हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो घावों और जलने पर बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आपके हाथ या पैर जल जाएं या कोई छोटा-मोटा घाव हो जाए तो उस पर हल्दी का पेस्ट लगाएं। इससे जलन कम होती है और घाव जल्दी भरता है। इसके अलावा हल्दी त्वचा को संक्रमण से भी बचाती है और ठंडक पहुंचाती है। यह तरीका खासतौर पर गर्मियों में बहुत प्रभावी है।

दांतों की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

हल्दी का इस्तेमाल दांतों की सफाई के लिए भी किया जा सकता है। इसमें मौजूद विशेष तत्व दांतों की गंदगी हटाने में मदद करते हैं और उन्हें चमकदार बनाते हैं। ब्रश करते समय अपने टूथपेस्ट में थोड़ा-सा हल्दी पाउडर मिलाएं और फिर ब्रश करें। इससे आपके दांत साफ और स्वस्थ रहेंगे। इसके अलावा हल्दी मुंह की दुर्गंध दूर करने में भी सहायक है और ताजगी महसूस होती है।

त्वचा की देखभाल करें

हल्दी त्वचा की देखभाल करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इसमें मौजूद तत्व त्वचा को निखारते हैं और उसे स्वस्थ रखते हैं। एक चम्मच बेसन में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर फेस पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और उसमें चमक आएगी। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं।

पुरुषों को क्यों पसंद आती हैं सुडौल महिलाएं? जानिए हैरान करने वाली वजह!

क्या आपने कभी सोचा है कि क्यों पुरुष, सुडौल महिलाओं की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं? क्या यह केवल बाहरी दिखावट की बात है, या फिर इसके पीछे कुछ और गहरे कारण हैं? सुडौल शरीर केवल शारीरिक सुंदरता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह महिला के आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन और सकारात्मकता को भी दर्शाता है। तो, चलिए जानते हैं कि सुडौल महिलाओं को पुरुष क्यों पसंद करते हैं और इसके पीछे की महत्वपूर्ण वजहें क्या हैं।

आत्मविश्वास और मुस्कान

पुरुषों को वह महिलाएं ज्यादा पसंद आती हैं जो आत्मविश्वास से भरी होती हैं और जिनका चेहरा हमेशा मुस्कान से जगमगाता है। सुडौल महिलाएं अक्सर अपने शरीर को लेकर सहज होती हैं और यही उनकी मुस्कान को और भी आकर्षक बना देता है। उनका आत्मविश्वास न केवल उनकी खूबसूरती को बढ़ाता है, बल्कि उनका सकारात्मक और खुशमिजाज स्वभाव पुरुषों को अपनी ओर खींचता है।

शांति और संतुलन का अहसास

जब पुरुष तनावग्रस्त होते हैं, तो वे उन महिलाओं को पसंद करते हैं जिनका व्यक्तित्व शांत और संतुलित होता है। सुडौल महिलाएं न सिर्फशारीरिक रूप से आकर्षक होती हैं, बल्कि उनका संतुलित और सहज व्यक्तित्व पुरुषों को मानसिक शांति का एहसास दिलाता है। उनके साथ समय बिताने से पुरुषों को आराम और सुकून मिलता है, जो उन्हें एक सुरक्षित माहौल में महसूस कराता है।

शारीरिक आकर्षण

पुरुषों की नजर हमेशा उन महिलाओं पर जाती है जिनका शरीर सुडौल और आकर्षक होता है। उनके लिए यह सिर्फ आकार की बात नहीं होती, बल्कि वह शरीर की मुलायम और नर्म लाइनों को भी पसंद करते हैं, जो

उन्हें सजीव और आकर्षक लगती हैं। महिलाओं के स्तन, कमर और हिप्स का आकर्षक आकार पुरुषों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रहता है।

स्वास्थ्य और फिटनेस

सुडौल महिलाएं अक्सर अपनी सेहत का ख्याल रखती हैं, और यह पुरुषों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक स्वस्थ महिला न केवल शारीरिक रूप से आकर्षक होती है, बल्कि मानसिक रूप से भी ताजगी और ऊर्जा से भरपूर होती है। पुरुष ऐसी महिलाओं को पसंद करते हैं जिनमें जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण हो और जो अपनी सेहत का ध्यान रखती हैं।

मातृत्व की भावना

सुडौल महिलाओं में एक प्राकृतिक मातृत्व की भावना होती है, जो उन्हें और भी आकर्षक बनाती है। उनका शरीर शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित होता है, जिससे यह महसूस होता है कि वे परिवार और बच्चों के प्रति अधिक जिम्मेदार और देखभाल करने वाली हो सकती हैं। यह गुण पुरुषों को महिलाओं के प्रति और भी आकर्षित करता है, क्योंकि वे सोचते हैं कि ये महिलाएं एक अच्छा परिवार बना सकती हैं।

समग्र आकर्षण और व्यक्तित्व

सुडौल महिलाएं अक्सर एक समग्र आकर्षण रखती हैं, जो केवल उनके शरीर से नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व से भी आता है। उनका आत्मविश्वास, दूसरों से बातचीत करने का तरीका, और अपनी आदतें, सभी मिलकर उन्हें और भी आकर्षक बनाते हैं। पुरुषों को यह व्यक्तित्व बेहद पसंद आता है, क्योंकि सुडौल महिलाएं न केवल बाहर से खूबसूरत होती हैं, बल्कि अंदर से भी बहुत खास होती हैं।

सुडौल महिलाएं सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, खुशमिजाजजी और संतुलित व्यक्तित्व की वजह से भी पुरुषों के लिए आकर्षक होती हैं। उनका सकारात्मक रवैया, सहजता, और मानसिक शांति के प्रति आकर्षण ही उन्हें बाकी से अलग बनाता है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से रोशन हुआ अशोक का जीवन, मुफ्त बिजली से राहत, पर्यावरण की भी सुरक्षा

हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, अब घर की छतों से चमक रहा उज्जवल भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में संचालित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के जीवन में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। यह योजना न केवल घरेलू बिजली संकट का समाधान बन रही है, बल्कि आर्थिक राहत और स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रही है।

बीते वर्षों में बिजली बिलों की बढ़ती लागत और गर्मियों में अघोषित बिजली की आंख-मिचौली जैसी समस्याओं से आमजन परेशान थे। ऐसे में यह योजना लोगों के लिए आशा की एक किरण बनकर आई है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत आम नागरिक अब अपने घर की छतों पर सौर पैनल लगाकर प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे न केवल उनका मासिक खर्च कम हुआ है, बल्कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का रास्ता भी खुला है।

योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। साथ ही, कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा से अब मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के लोग भी सौर ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। यह योजना हर उस नागरिक तक पहुंच रही है जो बिजली के भारी बिल और बार-बार की कटौती से परेशान था।

कोरबा जिले के छुरी गांव निवासी श्री अशोक अग्रवाल इस योजना के सफल लाभार्थियों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता वाला सोलर पैनल स्थापित कराया। महज 3 से 4 दिनों में यह सिस्टम तैयार होकर बिजली उत्पादन शुरू कर चुका है। उन्हें शासन की ओर से 78,000 रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सिस्टम की लागत बहुत कम हो गई। श्री अग्रवाल के घर के बगल में ही उनका राइस मिल भी है, जिससे पहले बिजली की खपत अधिक और बिल काफी भारी आता था। लेकिन अब सोलर सिस्टम लगने के बाद से उनका बिजली बिल शून्य हो गया है, और बिजली की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित हो गई है।

श्री अग्रवाल ने बताया, पहले गर्मियों में जरा सी बारिश या बिजली चमकने पर सप्लाई कट जाती थी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। पूरे मौसम भर बिजली मिलती रही, जिससे परिवार को काफी राहत मिली। उन्होंने कहा कि कोरबा जैसे औद्योगिक जिले में जहां बिजली की मांग अधिक रहती है, वहां यह योजना गर्मी के मौसम में रामबाण सिद्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि अब कोरबा जिले में लोग तेजी से इस योजना को अपना रहे हैं और अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल इंस्टॉल कर रहे हैं। श्री अग्रवाल स्वयं भी अपने अनुभव को लोगों के साथ साझा कर उन्हें योजना के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने परिचितों को भी सोलर सिस्टम अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इस प्रभावी और दूरगामी योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल वर्तमान की आवश्यकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का सशक्त मार्ग है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आज न केवल बिजली संकट का समाधान बन रही है, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का एक सफल मॉडल भी बनकर उभर रही है। कोरबा जिले सहित पूरे प्रदेश में अब इस योजना की सफलता की कहानियां रोजाना गढ़ी जा रही हैं। जिससे आमजन सौर ऊर्जा के माध्यम से प्रकाशमय और सशक्त भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें।

जीपीएम जिला गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में हुआ शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को जिले में शामिल करते हुए 26 जून को गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में चलाए गए रक्त शक्ति महा अभियान में एक ही दिन में जिले की 13 से 45 वर्ष आयु वर्ग की 51,727 महिलाओं का हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कराने पर जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड में शामिल हो गया है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की स्टेट हेड सोनल राजेश शर्मा ने एसेम्बली हॉल मल्टीपरपज स्कूल पेण्ड्रा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा करते हुए जिला कलेक्टर को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में जिले का नाम दर्ज होने पर इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला प्रशासन को शुभकामनाएं और बधाई दी है। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है। एचबी की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए रक्त शक्ति महा अभियान ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

जिला कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने कहा कि इस अभियान में जिला स्तर से लेकर मैदानी स्तर के सभी विभागों के अमले की सेवाएं ली गई। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी सराहनीय सहभागिता रही। अभियान में मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की महिलाएं, पंचायत सचिव, पटवारी, कोटवार, ग्रामीण कृषि विकास विस्तार अधिकारियों ने इस उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।

शासन की योजनाओं की बदौलत ढेमुराम कमार के जीवन में आया बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ की अति पिछड़ी जनजातियों में शामिल कमार जनजाति की घटती आबादी को देखते हुए शासन द्वारा इन्हें विशेष संरक्षण प्रदान किया गया है। इसी जनजाति के ढेमु राम कमार जो धमतरी जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम ग्राम पिपरहीभर्रि निवासी है।

उन्होंने बताया कि पहले अपने परिवार के साथ टूटी-फूटी झोपड़ी में बेहद कठिन हालातों में जीवन व्यतीत कर रहे थे। चार सदस्यीय परिवार के मुखिया ढेमु राम बरसात के मौसम को सबसे ज्यादा डरावना मानते थे, जब खपरैल के बीच से टपकते पानी क कारण पूरी रात जागकर बितानी पड़ती थी। तेज हवाओं के हर झोंके के साथ डर का साया मंडराता रहता था कि कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। ऐसे में जीवन बस जैसे-तैसे कट रहा था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इस परिवार के लिए आशा की नई किरण बनकर आई। योजना के तहत ढेमु राम को पक्का मकान स्वीकृत हुआ। उनकी पत्नी पार्वती को शुरुआत में आशंका थी कि योजना का लाभ लेना आसान नहीं होगा, लेकिन सरकारी प्रक्रिया पारदर्शी रही और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं झेलनी पड़ी। तय समय पर खाते में किस्तों की राशि मिली और ढेमु राम ने अपने ही मकान के निर्माण कार्य में खुद श्रमिक बनकर मेहनत की। एक-एक ईंट जोड़कर उन्होंने अपने परिवार का सपना साकार किया। आज उनका परिवार सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जी रहा है। ढेमूराम कमार बताते है कि अब बारिश उनके लिए डर नहीं बल्कि सुकून की फुहारें लेकर आती है। पक्की छत के नीचे वे निश्चिंत होकर चैन की नींद सोते हैं।

ढेमु राम ने बताया कि वे राजमिस्त्री हैं और मनरेगा के तहत उन्हें रोजगार भी मिलता है। शासन की महतारी वंदन योजना के तहत उनकी पत्नी को प्रतिमाह एक हजार रूपये मिलते हैं। साथ ही आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड जैसी योजनाओं से भी उनके परिवार को लाभ हो रहा है। आज कमार जनजाति का यह परिवार शासन की योजनाओं का सजीव उदाहरण है कि सही दिशा, इच्छाशक्ति और सरकारी सहयोग से जीवन को बदला जा सकता है।

फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से स्वरोजगार की संभावना बढ़ेगी

आम-नाशपाती, सेब उत्पादक कृषकों के मध्य फसल प्रतियोगिता का होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कल 28 जून को एग्री-हॉटी क्रेता विक्रेता सम्मेलन में बगिया से ऑनलाइन वर्चुअल के माध्यम से शामिल होंगे। जशपुर जिले में किसानों के विकास, कृषि-उद्यान एवं रेशम उत्पाद को बढावा देने 'कृषि क्रांति' अभियान की शुरूआत जिला प्रशासन की पहल से शुरू की गई है, अभियान अंतर्गत पहली बार क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन जिला पंचायत जशपुर में किया जा रहा है। 28 तथा 29 जून 2025 तक आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस में क्रेता-विक्रेता परिचय एवं फसल विशेष संग्रहण, संरक्षण, प्रसंस्करण एवं कृषि, उद्यानिकी, रेशम एवं वन उत्पाद के निर्यात

को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, मापदण्ड एवं नियमों की जानकारी प्रदान की जाने के साथ फसल प्रदर्शनी का आयोजन की जाएगी।

द्वितीय दिवस 29 जून को विभिन्न राज्यों से आये उद्यमियों को किसान के खड़ी फसलों के भ्रमण का कार्यक्रम तय किया गया है। सम्मेलन में जिले के प्रगतिशील कृषक, देश के कई औषधि, राज्यों के उद्यमी, निर्यातक के विशेषज्ञ, लघु वनोपज संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के कई कृषि संबंद्ध कंपनियों से संपर्क किया गया है, जिसमें अधिक से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि के भाग लेने की संभावना है। जशपुर जिले में जैविक उत्पादों का बहुत बड़ा बाजार है। जंगल में काफी मात्रा में औषधीय, वन उपज उपलब्ध है। जिले में अधिक मात्रा में रेशम पालन की जाती है। इस सम्मेलन के माध्यम से जिले के किसानों को अपने उत्पाद को अधिक मूल्य में बेचने के लिए एक प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है, तथा किसानों को अपने उत्पाद की वर्तमान स्थिति, चुनौती और बाजार को समझने के साथ भविष्य की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी।

किसान एफपी.ओ. के माध्यम से उत्पाद संग्रहण कर क्रेता कंपनी को विक्रय करेंगे, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। सम्मेलन में नाशपाती, आम फसल कृषकों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। यह सम्मेलन किसानों को सशक्त बनाने और उन्हें बाजार से जोड़ने की पहल है।

एग्री-हॉटी क्रेता विक्रेता सम्मेलन के तहत जिला पंचायत जशपुर में सुबह 9 बजे से किसानों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जहां जिस किसान के दशहरी, आम्रपाली आम और नाशपाती के 6 फल का औसत सबसे ज्यादा वजन होगा उसे ईनाम दिया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार 5 हजार, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार और तृतीय पुरस्कार 2 हजार रुपए रखा गया है।

आदिवासियों को आत्मनिर्भर बनाने अभिनव पहल है धरती आबा जनभागीदारी अभियानः सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। सांसद भोजराज नाग ने कहा कि धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर केन्द्र सरकार का आदिवासी समाज के लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का अत्यंत कारगर एवं अभिनव पहल है। सांसद नाग जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के सुदूर वनांचल के ग्राम भंवरमरा में धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे।

सांसद नाग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने केन्द्र सरकार के द्वारा धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न

स्थानों में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले भारत सरकार के द्वारा हम जनजातीय समाज के लोगों के वास्तविक जरूरतों एवं समस्याओं को समझते हुए प्रशासनिक अमले को उनके बीच पहुँचकर जनजातीय समाज के लोगों को आवश्यक सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित कराने हेतु लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसका बहुत ही दूरगामी परिणाम हम सब को देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि आज भंवरमरा में आयोजित लाभ संतृप्ति शिविर ग्रामीणों एवं हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा है। शिविर में विभिन्न विभाग के अधिकारियों के द्वारा हितग्राहियों को नया राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, मुद्रा लोन, श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड आदि विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अध्यक्ष तोरण साहू, जनपद सदस्य श्रीमती राजेश्वरी टेकाम, ग्राम पंचायत भंवरमरा के सरपंच श्रीमती निर्मला ठाकुर, हीरन, उदय राम ओटी, उत्तम घरेन्द्र एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में हितग्राहीजन उपस्थित थे। शिविर में सांसद नाग एवं अतिथियों के द्वारा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंट कर उनके गोदभराई रस्म को पूरा करने के अलावा किसानों को अरहर बीज मिनी किट भी वितरण किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए सांसद नाग ने भगवान बिरसा मुण्डा के व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें आदिवासी समाज के सच्चे नायक एवं देश के महान सपूत बताया।

कलेक्टर ने की अपील राशन कार्डधारी 30 जून तक अवश्य करायें अपना ई-केवाईसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कृषि, खाद्य, उद्यानिकी, बीज निगम, मंडी, पशु व मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष कार्यालय में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा विभागवार क्रियान्वयन हो रहे योजनाओं के संबंध में जानकारी ली गई। कलेक्टर ने बीज एवं खाद के भंडारण तथा वितरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही किसानों को खेती-किसानी में सहूलियत प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में खरीफवर्ष 2025-26 क्षेत्राच्छादन, समितिवार बीज व खाद भंडार, वितरण एवं बचत, मिट्टी परीक्षण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आधार सीडिंग, भूमि सीडिंग, पी.एम. किसान वन पट्टाधारी कृषक, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना क्रियान्वयन, आत्मा योजनांतर्गत मूंगफली फसल इत्यादि की जानकारी ली गई। बैठक में राशन कार्डधारियों के केवाईसी के संबंध में भी चर्चा की गई।

कलेक्टर ने अपील की है कि सभी हितग्राही 30 जून तक अपना ई-केवाईसी अवश्य पूर्ण करा लें, ताकि भविष्य में खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। 'एक राष्ट्र एक राशनकार्ड' योजना के तहत जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत समस्त राशन कार्ड धारकों के लिए 30 जून तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है।

मोर गांव मोर पानी अभियान से दंतेवाड़ा में जल संरक्षण की अनोखी मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संकट से जूझ रहे ग्रामीण इलाकों में राहत पहुंचाने की दिशा में दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) जिले ने मोर गांव मोर पानी महा अभियान के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह राज्य शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है जिसका उद्देश्य जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना है।

इस क्रम में कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत के मार्गदर्शन में इस अभियान में आधुनिक जीआईएस आधारित रिज टू वैली अप्रोच अपनाते हुए 2,965 जल संरचनाओं का चयन किया गया है, जो जल प्रबंधन के क्षेत्र में जिले की दूरदर्शी सोच को दर्शाता है।

इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति समुदाय को जागरूक एवं सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना है। लोगों को पानी का महत्व को समझाते हुए भूजल संवर्धन में सहभागी बनने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस क्रम में नरेगा के तहत गैबियन स्ट्रक्चर, कंटूर ट्रेंच स्टोन चेक डेम वृक्षारोपण आदि कार्यों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसे जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं जल प्रबंधन को सशक्त आधार मिलेगा।

जिले में अब तक 1,751 कम लागत वाली तथा 71 उच्च लागत की जल संरचनाएं सफलतापूर्वक मनरेगा के अंतर्गत निर्मित की जा चुकी हैं, जिन पर कुल 450.04 लाख का व्यय हुआ है। इसके अतिरिक्त, जिले द्वारा 402 नई जल संरचनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इनका निर्माण कार्य जोरों पर है, जिन्हें अगले 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

यह सभी प्रयास वर्षा ऋतु से पहले पूरे किए जा रहे हैं ताकि अधिकतम वर्षा जल का संचयन किया जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। जल संरचनाओं पर निर्माण कार्य के तहत लूज बोल्डर चेक डेम, मिट्टी के बांध, गैबियन स्ट्रक्चर, फेरोसिमेंट टेंक, आरसीसी संरचनाएं, जल निकासी उपचार के विविध उपाय शामिल किए गये है। ये संरचनाएं न केवल जल संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि मृदा अपरदन रोकने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो रही हैं।

जन सहभागिता इस अभियान की सफलता का मूल मंत्र है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रैलियों, प्रशिक्षणों, दीवार लेखन, जल शपथ जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। युवाओं को जल सेना के रूप में संगठित किया गया जो निर्माण कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही, मनरेगा के तहत स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार देकर निर्माण कार्यों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है।

यह अभियान केवल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है। इसके बहुउद्देश्यीय लक्ष्य जैसे मृदा स्वास्थ्य में सुधार, मछली पालन, कृषि और बागवानी को बढ़ावा, प्रवासन की रोकथाम, रसोई बागवानी एवं बहुफसली खेती को प्रोत्साहन देना तय किए गए है। इन प्रयासों से ग्रामीणों की आजीविका में स्थायित्व आएगा और जल संकट की समस्या पर दीर्घकालीन समाधान मिलेगा। कुल मिलाकर तकनीक, सुशासन, समुदाय और निर्माण का संगम बनकर दंतेवाड़ा एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रिसॉर्ट में पुलिस ने ली तलाशी

राजनांदगांव। शहर में लगातार बढ़ते अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अब एक्शन में आ गई है। पुलिस टीम अब सभी संदेहास्पद जगहों पर दबिश दे रही है। वहीं गुंडे बदमाशों को भी लगातार राउंडअप करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ताकि बदमाशों में खौफ बना रहे। पुलिस की विशेष टीम ने मनगटा में दबिश दी। यहां के सभी रिसॉर्ट को चेक किया गया। संचालकों को हिदायत दी गईं। वहीं रिसॉर्ट में रुके लोगों की पूरी जानकारी जुटाई गई है। एसपी मोहित गर्ग ने मनगटा में चेकिंग के लिए विशेष टीम बनाई, जिसमें पुलिस के 40 अफसर और जवान शामिल थे।

इन्होंने एक -एक कर सभी रिसॉर्ट को खंगाला। हालाकि किसी तरह की कार्रवाई मनगटा में सामने नहीं आई है। लेकिन टीम ने रिसॉर्ट के हॉटल, गार्डन को चेक कर संदिग्ध व्यक्तियों की पतासाजी की गई। रिसॉर्ट संचालकों के रजिस्टर को चेक किया गया। वहीं ठहरे लोगों की आईडी सहित आधार कार्ड की जांच की गई। इधर पुलिस ने शुक्रवार सुबह लखोली के अटल आवास में भी कांबिंग गश्त चलाया। जवानों की टीम ने यहां के 125 मकानों को चेक किया। एक मकान से गांजे का पौध जब्त किया गया, वहीं एक युवक के पास से धारदार तलवार भी पुलिस ने जब्त किया है। जिस पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पेंड्री व लखोली के अटल आवास में चल रहीं संदिग्ध गतिविधियां बता दें कि शहर के पेंड्री और लखोली के अटल आवास संदिग्ध गतिविधियों के लिए चर्चित हो गया है। यहां दूसरे शहर से भी पहुंचकर लोग ठहर रहे हैं। एक दिन पहले ही पुलिस ने पेंड्री अटल आवास के 400 मकानों में दबिश दी थी, इसी तरह शुक्रवार को लखोली में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यहां रहने वाले सभी लोगों की पूरी जानकारी रजिस्टर में दर्ज की गई है। सभी के आधार कार्ड और दूसरे पहचान पत्र को खंगाला गया है। ताकि मकानों में रहने वाले हर व्यक्ति की जानकारी पुलिस के पास मौजूद रहे।

कोरबा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से नाग सांप का रेस्क्यू

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्थित पूछताछ केंद्र में एक 7 फीट लंबा नाग सांप मिला। घटना 27 जून शाम की है, जब विशाखापट्टनम ट्रेन के यात्री पूछताछ केंद्र में जानकारी लेने जा रहे थे। तभी टाइल्स के बीच कुंडली मारकर बैठे सांप की फुंकार सुनकर एक यात्री ने इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही रेलवे आरपीएफ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी यात्रियों को सुरक्षित दूर हटाया। स्नैक कैचर टीम को तुरंत बुलाया गया। आरसीएस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद टाइल्स के बीच से सांप को सुरक्षित निकाला। स्नैक कैचर टीम के सदस्य अविनाश यादव ने बताया कि सांप खतरनाक था। समय रहते इसकी जानकारी मिलने से कोई अनहोनी नहीं हुई। रेस्क्यू के बाद सांप को जंगल में छोड़ दिया गया।

नारायणपुर में डॉक्टरों ने किया शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिला अस्पताल नारायणपुर के समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने गुरुवार को एकजुट होकर बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) की समस्त सेवाएं बंद कर दीं। यह निर्णय अस्पताल प्रशासन को सौंपे गए एक गंभीर पत्र के आधार पर लिया गया, जिसमें अतिरिक्त कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई के व्यवहार को लेकर गहरी नाराजगी जताई गई थी।

ओपीडी सेवाएं रही ठप

चिकित्सकों द्वारा सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि पंचभाई ने समय-समय पर जिला अस्पताल के डॉक्टरों के साथ अपने कक्ष में दुर्व्यवहार किया, अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और सेवा नियमों की अवहेलना करते हुए चिकित्सकों को निजी इलाज के लिए निवास पर बुलाया। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के व्यवहार से कार्यस्थल का माहौल तनावपूर्ण और असहज हो गया है।

चिकित्सकों ने बताया कि सबसे ताजा मामला शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जयश्री साहू के साथ घटित हुआ, जब वे अपने स्वास्थ्य कारणों से ट्रांजिट हॉस्टल के रिक्त कक्ष क्रमांक 8 के लिए आवेदन लेकर अतिरिक्त कलेक्टर के पास पहुंचीं। परंतु वहां उन्हें दो कौड़ी के डॉक्टर कहकर अपमानित किया गया। डॉक्टरों ने आरोप लगाया है कि एक महिला मरीज, जो खुद को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की धर्मपत्नी सुचिता बताती हैं, ने भी रेडियोलॉजि विभाग के कर्मचारियों से दुर्व्यवहार किया।

चिकित्सा समुदाय ने स्पष्ट किया है कि वे अपने आत्मसम्मान और पेशेवर गरिमा से समझौता नहीं कर सकते, और जब तक अतिरिक्त कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई डॉ. जयश्री साहू से लिखित और सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई, तो वे आपातकालीन सेवाएं भी बंद करने को विवश होंगे।

अस्पताल परिसर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें सभी चिकित्सक, स्टाफ नर्स और कर्मचारीगण शामिल हुए। उन्होंने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सम्मान नहीं, तो सेवा नहीं, डॉक्टरों का अपमान, नहीं सहेगा नारायणपुर अस्पताल जैसे नारे लगाए। इस विरोध के कारण स्वास्थ्य सेवाएं लगभग ठप हो गई हैं और जिला अस्पताल में अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है।

पुलिस ने सूदखोर तोमर भाइयों पर रखा इनाम

सूचना देने व पकड़वाने वालों को मिलेंगे 5 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोस्ट वांटेड सूदखोर तोमर बदर्स 21 दिन से फरारी काट रहे हैं। पुलिस की अलग अलग टीमें दोनों का पता लगाने में लगी हुई हैं। अब इन दोनों पर रायपुर पुलिस ने 5000 रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने दोनों भाइयों की सूचना देने व पकड़वाने वालों को 5000 रुपए नगद इनाम देगी। सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा।

बता दें पुलिस ने तोमर ब्रदर्स से जुड़े मामले में अब तक एक महिला समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र और रोहित तोमर फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और छत्तीसगढ़ ऋण संरक्षण एक्ट के तहत एक्शन लिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों भाइयों का बेधड़क होकर घूमना समाज के लिए खतरनाक है। वो भविष्य में कोई भी गंभीर अपराध कर सकते हैं। जिसके लिए इनकी गिरफ्तारी आवश्यक है।

21 दिन से फरार दोनों भाइयों को पकड़ने व सूचना देने वालों के लिए रायपुर SSP डॉ. लाल उमेद सिंह ने

इनाम की घोषणा की है। हालांकि पुलिस की अलग अलग टीमें भी उत्तरप्रदेश और राजस्थान में आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। उनके बारे में अब तक कोई सुराग पुलिस को नहीं मिल पाया है। बताया जा रहा है कि जब से फरारी काट रहे हैं तब से दोनों आरोपियों ने अपना फोन भी बंद कर रखा है।

पुलिस चौकी में मारपीट, प्रभारी हुए हताहत, दो गिरफ्तार

बालोद। जिले के पिंकापार चौकी में देर रात सड़क पर अचानक आए मवेशियों को बचाने के प्रयास में एक जेसीबी चालक ने नियंत्रण खो दिया और मशीन सीधे एक घर में जा घुसी। इसके बाद उत्पन्न हुए विवाद को शांत कराने पहुंची पुलिस टीम पर ही घरवालों ने हमला कर दिया। पुलिस ने मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 9:15 बजे की बताई जा रही है। देवरी थाना अंतर्गत पिंकापार गांव में जेसीबी चालक सड़क पर अचानक आए मवेशियों को बचाने के लिए गाड़ी मोड़ रहा था, इसी दौरान जेसीबी एक घर की दीवार तोड़ते हुए भीतर जा घुसी। इससे गुस्साए घरवालों ने मौके पर ही जेसीबी चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पिंकापार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और माहौल शांत कराने की कोशिश की। पुलिस जेसीबी चालक को सुरक्षित थाना ले जाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन तभी आक्रोशित परिजन उसे पुलिस की गाड़ी से जबरन खींचने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि जब चौकी प्रभारी ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उनसे भी हाथापाई की गई। पुलिस ने स्थिति को काबू में लेते हुए घरवालों के खिलाफमामला दर्ज किया और कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथी ही दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

महिला का बनाया अश्लील वीडियो, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में महिला की नहाते समय मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग की कोशिश करने और विरोध करने पर उसके परिवारजनों से मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। मामला गौतम नगर का है,

यह मामला 25 जून 2025 को दोपहर करीब 2 बजे महिला जब अपने घर के बाथरूम में नहा रही थी, तभी आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू मोबाइल से उसका वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश कर रहा था। महिला के चिल्लाने पर उसका पति और दोनों बेटे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपी ने उन्हें गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पत्थर से हमला कर दिया। हमले में महिला के बेटे स्वयं सोनी के कंधे और मयंक सोनी के सिर में चोटें आईं। आरोपी जफर के पास एक लंबा चाकू भी था और वह बार-बार धमकी दे रहा था कि गोद कर मार डालूंगा। इसी दौरान आरोपी का भाई रेहान और मोहम्मद कलाम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी पीड़ितों से अभद्रता व गाली-गलौच की। घटना के बाद आजाद चौक थाने में अपराध क्रमांक 166/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(2), 115(2), 3(5) बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू और मोहम्मद कलाम को 26 जून को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, तीसरा आरोपी रेहान फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू पिता शेख जब्बार, उम्र 20 वर्ष, निवासी लाखेनगर, ईदगाहभाठा, पानी टंकी के पास, थाना आजाद चौक, रायपुर। मोहम्मद कलाम पिता मोहम्मद जब्बार, उम्र 20 वर्ष, निवासी लाखेनगर, ईदगाहभाठा, पानी टंकी के पास, थाना आजाद चौक, रायपुर।

खेत में खून से लथपथ मिली छात्रा की लाश, एक दिन पहले घर से हुई थी लापता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक के बाद हत्याओं का सिलसिला लगातार जारी है। अभी सूटकेस कांड का मामला सुलझा ही है और एक हत्या की घटना ने पुलिस महकमें में हड़कंप मचा दिया है। दरअसल रायपुर के खरोरा के पास बेलदार शिवनी गांव में नाबालिग लड़की की खून से लथपथ लाश मिली है। 16 वर्षीय नाबालिग कक्षा 10वीं की छात्रा थी। छात्रा की हत्या कर उसकी लाश को खेत में फेंक दिया गया है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार हत्या की यह घटना खरोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। रायपुर के खरोरा के पास बेलदारशिवनी गांव में एक 16 साल

की नाबालिग लड़की की हत्या कर दी गई है। नाबालिग 26 जून को दोपहर एक बजे से घर से लापता थी। 27 जून यानी शुक्रवार की सुबह 11 बजे गांव के पास खेत में लड़की की लाश पड़ी हुई मिली। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद बताया कि छात्रा की धारदार चाकू से मारकर हत्या की गई है। शव पर पत्थर पटकने का भी निशान है।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया है। नाबालिग 10वीं की छात्रा थी। वह खरोरा के ही एक निजी स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता की इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकान है। मां गृहिणी है, बड़े भाई की भी इलेक्ट्रॉनिक दुकान है। वहीं छोटा भाई 8वीं में पढ़ता है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में लगी है। घटना स्थल के आसपास सीसी टीवी फुटेज पुलिस खंगाल रही है। खरोरा पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रारंभिक पात्र-अपात्र सूची एवं दावा आपत्ति हेतु सूचना

कार्यालयीन विज्ञप्ति क्रमांक / एन. एच. एम / संविदा भर्ती विज्ञापन / 2025 / 2873 बालोद दिनांक 13/05/2025 के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला बालोद अंतर्गत विभिन्न रिक्त संविदा पदों की भर्ती हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन बंद लिफाफे में स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिनांक 16/05/2025 से 30/05/2025 तक आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कर प्रारंभिक पात्र-अपात्र सूची जारी किया जा रहा है। उक्त सूची में किसी भी अभ्यर्थी को आपत्ति होने की स्थिति में दिनांक 03/07/2025 तक कार्यालयीन समय में निम्नानुसार दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं :-

1. दावा आपत्ति केवल निर्धारित प्रपत्र में अभ्यर्थी द्वारा स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा इस कार्यालय के ईमेल आईडी nhmbalod2025@gmail.com के माध्यम से ही कार्यालयीन समय में कर सकेंगे।
2. निर्धारित तिथि 03/07/2025 समय 05:30 बजे के उपरान्त प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जायेगा।
3. उक्त सूची का प्रकाशन जिले के वेब पोर्टल balod.gov.in में उपलब्ध है। अभ्यर्थी उक्त सूची का अवलोकन पोर्टल के माध्यम से कर सकते है।

(विस्तृत पदों से संबंधित जानकारी, बालोद जिले के वेब पोर्टल www.balod.gov.in में देख व डाउनलोड किया जा सकता है।)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला बालोद (छ.ग.)

S- 44361/3

मंदिरों में चोरी करने वाले आए धमतरी पुलिस की पकड़ में

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। पिछले एक माह में शहर और कुरूद में स्थित चंडी मंदिर, श्रीराम मंदिर, नागेश्वर मंदिर सहित कुल सात मंदिरों में हुई श्रृंखलाबद्ध चोरी की घटनाओं में सफलता पूर्वक हल करते हुए पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार द्वारा थाना कुरूद, कोतवाली एवं साइबर सेल की गठित संयुक्त टीम ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पूरा माल मशरूका भी बरामद कर लिया है। 22 जून की रात चंडी मंदिर कुरूद से सोने-चांदी के आभूषण और 5,000 रुपये नगद चोरी की गई थी, जिस पर प्रार्थी जितेन्द्रनाथ योगी द्वारा थाना कुरूद में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस प्रकरण में अपराध क्रमांक 165/25, धारा 331(4), 305(घ), 111 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर त्वरित विवेचना प्रारंभ की गई।

एसपी के नेतृत्व में बनी विशेष टीम पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशानुसार एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें थाना कुरूद, थाना कोतवाली एवं साइबर सेल के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित थे। टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, CCTV फुटेज खंगालना, मुखबिर सूचना और सक्रिय क्षेत्रीय खोजबीन के माध्यम से साक्ष्य जुटाकर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। साइबर सेल द्वारा तकनीकी विश्लेषण किया गया और संदिग्धों की पहचान सुनिश्चित की गई, जबकि थाना कुरूद एवं कोतवाली पुलिस ने मैदानी स्तर पर सघन कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वारदात को अंजाम दे रहे थे दो कपल

पतासाजी किये जाने पर आरोपी जहीर खान का पूर्व में भी अपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी प्राप्त हुई है जिसके विरूद्ध थाना बसना एवं सरायपाली में धारा 307,457,380 भादवि.का प्रकरण दर्ज है। नवीन कानून की धारा 111 बीएनएस.की धारा जोड़ी गई-: इसलिए, इसे केवल चोरी न मानते हुए, पुलिस ने इसे एक पूर्व नियोजित आपराधिक साजिश अपराध मानते हुए संगठित अपराध की धारा 111 BNS के तहत कार्यवाही की-ताकि केस को कानूनी रूप से मजबूत बनाया जा सके और सभी आरोपियों को समान रूप से कठोर सजा दिलाई जा सके।

पकड़े गए आरोपियों ने किए कई मंदिरों में चोरी के खुलासे 18 मई को रत्नेश्वरी मंदिर धमतरी 10,500 नगद, 29 मई श्रीराम मंदिर धमतरी 4,000 व चांदी की चरण पादुका, 6 जून को नागेश्वर मंदिर धमतरी 30,000 नगद, 13 जून को छत्तीसगढ़ महतारी मंदिर कुरूद 3,000 नगद, 21 जून को शिव मंदिर धमतरी 2,000 नगद व काली मंदिर धमतरी 1,000 नगद, 22 जून को चंडी मंदिर कुरूद सोने का मुकुट, लॉकेट, चरण पादुका, 5,000 नगद शामिल है। गिरफ्तार दो कपल में जाहिर उर्फ समीर खान पिता-नजीर खान, उम्र-35 वर्ष, अफरोज खान पति- जाहिर खान, उम्र-28 वर्ष (निवासी-कबीर नगर बसना, वर्तमान-मकेश्वर वार्ड, धमतरी), मोहम्मद मुनाफ खत्री पिता-स्व. मोहम्मद हारून खत्री, उम्र-48 वर्ष, ताहिरा बानो पति-मोहम्मद मुनाफ खत्री, उम्र-48 वर्ष (निवासी- वार्ड क्रमांक 06, कबीर नगर, बसना, जिला महासमुंद)(छ.ग.) शामिल हैं।

मानव तस्करी के जाल में फंसी युवती, 7 आरोपी गिरफ्तार

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से मानव तस्करी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। अंबिकापुर में रहने वाले एक ही परिवार के तीन लोगों ने मिलकर एक युवती की शादी के नाम पर सौदेबाजी कर दी। पीड़िता को उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी मानव तस्कर से 1 लाख रुपये में शादी कराई गई, जिसके बाद आरोपी ने शारीरिक शोषण किया और फिर उसे 70 हजार रुपये में बेच दिया। इस गंभीर मामले में मणिपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पीड़िता को यूपी से सुरक्षित छुड़ाकर सरगुजा वापस लाया है। साथ ही 4 अंतर्राज्यीय मानव तस्करों समेत कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

Tell/Fax : 07826-273923 Email : bmopatan211@gmail.com

क्रमांक/स्वास्थ्य सेवायें/2025/711 पाटन, दिनांक 26.06.2025

// निविदा आमंत्रण //

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन में प्रसूता महिलाओं एवं सामान्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय हेतु निविदा:-
2. प्रशिक्षण व मीटिंग हेतु भोजन, चाय व नाश्ता एवं पानी बोटल प्रदाय करने हेतु।

सरल क्रमांक 01. में पंजीकृत स्व सहायता समूह से मुहरबंद निविदाएं पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

सरल क्रमांक 02. में पंजीकृत फर्म व स्व सहायता समूह से मुहरबंद निविदाएं पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में 1000/- की डिमाण्ड ड्राफ्ट Jeevan Deep Samiti Patan के नाम से जमा कर इस दिनांक 30.06.2025 दिन सोमवार से प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि	:- 19.07.2025 को अपं. 12 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	:- 19.07.2025 को दोप: 02 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि	:- 23.07.2025 को अपरांह 03 बजे
4. निविदा खोलने का स्थान	:- कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामु. स्वा. केन्द्र पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-252601841/1

परंपरागत श्रद्धा-भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई भव्य रथयात्रा

भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जगन्नाथ मंदिर दोकड़ा से मौसीबाड़ी पहुंचे, 9वें दिन होगी भव्य वापसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । जशपुर ज़िले के ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर दोकड़ा में इस वर्ष भी रथयात्रा महोत्सव का आयोजन परंपरागत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ किया गया। मंदिर से रथ यात्रा के रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने जगन्नाथ मंदिर में पूरे विधि-विधान से भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने झाड़ू से रथयात्रा के मार्ग को बुहारकर छेरा-पहरा की रस्म निभाई।

मुख्यमंत्री साय ने हजारों श्रद्धालुओं के साथ भक्तिभावपूर्वक रथ यात्रा में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के रथ को रस्सी खींचकर आगे बढ़ाया। पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष, भजन-कीर्तन और भक्तिमय उल्लास से गूंज उठा। रथ यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा नौ दिनों तक अपनी मौसी के घर मौसीबाड़ी में विराजमान रहेंगे। नौवें दिन 5 जुलाई को शुभ वापसी श्री जगन्नाथ मंदिर, दोकड़ा में होगी। यह आयोजन ओडिशा के पुरी धाम की परंपरा के अनुरूप आयोजित किया गया है। रथ यात्रा की शुरुआत दोकड़ा में वर्ष 1942 में हुई थी। इसकी शुरूआत स्वर्गीय सुदर्शन सतपथी एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय सुशीला सतपथी द्वारा श्रद्धा और समर्पण के साथ की गई थी। तब से यह परंपरा निरंतर श्रद्धा और उत्साह के साथ निर्विघ्न रूप से जारी है। समय के साथ यह आयोजन अब एक भव्य धार्मिक मेले का रूप ले चुका है, जिसमें श्रद्धालुओं की विशाल सहभागिता देखने को मिलती है। रथ यात्रा के पावन अवसर पर ओडिशा से आमंत्रित कीर्तन मंडलियों ने भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। साथ ही रथ यात्रा में अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां भी शामिल रहीं, जो भगवान श्री जगन्नाथ की महिमा और हमारी सांस्कृतिक विविधता की भव्यता को अत्यंत आकर्षक रूप में प्रदर्शित कर रही थीं।

रथ यात्रा के उपलक्ष्य में दोकड़ा में एक विशाल मेले का भी आयोजन किया गया है, जो इस उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ा देता है। मेला परिसर में मनोरंजन के लिए झूले, स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल, पारंपरिक हस्तशिल्प की दुकानें और अन्य आकर्षण मौजूद हैं। जो सभी के लिए आनंद का केंद्र बनते हैं। यह आयोजन आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम है।

नौ दिनों तक चलेगा धार्मिक पर्व

श्री जगन्नाथ मंदिर समिति दोकड़ा के सदस्यों ने बताया कि रथ यात्रा महापर्व नौ दिवसीय भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर परिसर और दोकड़ा गांव पूरे श्रद्धा और उत्साह से सराबोर रहता है। पूरे महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुतियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों और युवाओं के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जो पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से भर देता है।

भगवान श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने की रथ खींचकर पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के विश्रामपुर नगर में आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। इस ऐतिहासिक पर्व पर राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं रथ की रस्सी खींचकर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के बीच शामिल होकर पर्व की गरिमा को बढ़ाया।

रथ यात्रा की शुरुआत विश्रामपुर के प्राचीन जगन्नाथ मंदिर परिसर से हुई, जहां मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के साथ रथ को रवाना किया गया। श्रीमती राजवाड़े ने भगवान श्रीजगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को नमन करते हुए नगरवासियों के साथ रथ खींचा और धार्मिक उत्सव का हिस्सा बनीं। मंत्री राजवाड़े ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह पर्व समर्पण, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि भगवान जगन्नाथ समस्त प्रदेशवासियों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्रदान करें।

शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए वन मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज बस्तर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरी में शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 'शिक्षा जीवन की नींव हैं'। शिक्षा ही व्यक्ति के जीवन को सशक्त और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझने और उसे अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। मंत्री कश्यप ने कहा कि नव प्रवेशी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वन मंत्री ने कहा कि शिक्षा के महत्व को समझना और उसे अपने जीवन में लागू करना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास में मदद करती है, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पारंपरिक रूप से तिलक व चंदन लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें पुस्तकें, गणवेश और स्कूल बैग प्रदान किए गए। बच्चों और अभिभावकों के चेहरों पर उत्साह और प्रसन्नता स्पष्ट रूप से झलक रही थी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप और जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल ने भी नव प्रवेशी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की सच्ची ताकत है और विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी ऋषिकेश तिवारी, खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन, शिक्षकगण, शिक्षिकाएं, पालकगण, ग्रामीणजन और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धरती आबा योजना से जनजातीय गांवों के लिए वरदानः वन मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज धरती आबा योजना के तहत आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 लोगों को आयुष्मान कार्ड और 5 को जन्म प्रमाण पत्र, कृषि विभाग अंतर्गत 5 किसानों को धान बीज, सहकारिता विभाग 6 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, 6 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 300 ग्रामीणों को पौधे वितरित किए।

वन मंत्री कश्यप कोण्डागांव जिले के ग्राम गोलावण्ड में आयोजित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर में शामिल हुए। इस शिविर में आसपास के 16 गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि धरती आबा अभियान के तहत जनजातीय समुदाय के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रहा है।

वन मंत्री कश्यप ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कि जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर शुरू हुई यह योजना अब गांव-गांव तक पहुंच रही है। इसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, आयुष्मान भारत योजना और वय वंदना योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का लाभ सभी योग्य हितग्राहियों को जल्द से जल्द मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजना से वंचित न रहें। उन्होंने अधिकारियों को सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में वन मंत्री कश्यप ने सभी ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, जिला पंचायत सदस्य यशोदा कश्यप, श्रीमती रामदई नाग, जनपद अध्यक्ष अनिता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, दीपेश अरोरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आर्टिफिसियल इन्टेलिजेंस और डिजिटल लोक प्रशासन प्रभावित परिवेश में प्रशासनिक नेतृत्व विषय पर वक्तव्य व परिचर्चा आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ शाखा के द्वारा यहाँ सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में सुयोग्य मिश्रा, पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भारतीय प्रशासनिक सेवा अन्य अखिल भारतीय सेवा के सेवानिवृत्त व अन्य वरिष्ठ सदस्यों की एक बैठक तथा राज्य में स्थित एमिटि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ0 पियूष कान्त पाण्डेय का व्याख्यान व परिचर्चा आयोजित किया गया। सर्वप्रथम सुयोग्य मिश्रा ने पुष्पगुच्छ से मुख्य वक्ता का स्वागत किया।

डॉ0 पियूष ने वर्तमान परिवेश में देश में आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस की तकनीकि के उपयोग को राज्य के प्रशासनिक नेतृत्व हेतु अपरिहार्य बताया और कहा कि इसके उपयोग में यह ध्यान रखा जाना आवश्यक होगा कि मानवीय संवेदनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना इस संसाधन का समन्वित उपयोग किया जाना संभव नहीं होगा। विज्ञान की यह तकनीक एक अवसर व एक चुनौती समाज के सम्मुख लेकर आयी है। जहाँ एक ओर यह तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सेक्टर के विकास संबंधित प्रशासनिक अड़चनों के सटीक व सामयिक समाधान के अवसर को प्रभावी सरल व मितव्ययी बना सकती है वही यह व्यक्तिगत जानकारियों संवेदनशील ऑकड़ो की सुरक्षा व सदुपयोग इस तकनीक तक सामान्य जनों की आसान पहुँच सुनिश्चित किये जाने, इसे समावेशी बनाये जाने जैसी चुनौतियों भी प्रस्तुत करती है। उल्लेखित व्याख्यान में वक्ता, प्रतिभागियों में चर्चा को जीवंत बनाते हुये बहुत से मानवोपयोगी प्रश्नों पर वस्तु स्थिति को और स्पष्ट कर सकने में सफल हो सके और इस विवादित तकनीक को मानवोपयोगी निरुपित करने के संबंध में सफल रहे। परंतु इस तकनीक की चुनौतियों के प्रति सबको जागरुक करने तथा मेधा व सावधानी से तकनीकि को उपयोग करने पर ही इसके नियंत्रित व सफल उपयोग संभव होने के तथ्य से भी उन्होंने प्रतिभागियों को अवगत कराया। यह भी बात सामने आयी कि नीति निर्माताओं, नेतृत्व कर्ताओं के द्वारा इस तकनीकि संबंधित नवाचार, अन्वेषण व अनुसंधान को ठोस आधार व पर्याप्त गति दिये बिना तकनीकि का अपेक्षित व पूर्ण सामयिक लाभ प्राप्त नहीं हो सकेगा।

आगे आने वाली पीढ़ी को भी विकास की अपेक्षित गति बनाये रखने के योग्य बनाये रखकर ही समुचित स्थान व सम्मान दिलाते हुये देश व समाज को अपेक्षानुसार लाभान्वित किया जाना संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के अंत में संस्था के सदस्य सचिव अनुप श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता व सभी उपस्थित अधिकारियों व प्रतिभागी प्रबुद्ध जनों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

सोलर पॉवर से रोशन जिंदगियांः छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांतिकेन्द्र एवं राज्य सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने न सिर्फ लोगों के बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। इस योजना के माध्यम से लोग न केवल ऊर्जा के खर्च से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अब वे हर माह बिजली बिल भुगतान की झंझट से मुक्ति पा चुके हैं। महासमुंद जिले में अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 142 सोलर कनेक्शन सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं।

महासमुंद जिले के कौशिक कॉलोनी निवासी एवं रिटायर्ड बैंक मैनेजर श्री लक्ष्मीकांत पाणिग्रही ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाया है। इस प्लांट की कुल लागत लगभग 3.15 लाख रुपये आई, जिसमें से 78,000 रुपये की सब्सिडी उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से प्राप्त हुई। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया, पहले हर महीने मुझे सामान्य दिनों में 6,000 रुपये और गर्मियों में 12,000 रुपये तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, लेकिन अब मेरा बिजली बिल शून्य आ रहा है। यह योजना न सिर्फ बचत करवा रही है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा कर रही है। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड निवासी एवं शिक्षिका ज्योति विश्वाश ने भी 3 किलोवाट का सोलर पैनल अपने घर की छत पर स्थापित किया। उन्होंने बतायाछत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति सोलर पैनल लगते ही सिर्फ 15 दिनों में मेरा बिजली बिल शून्य हो गया। पहले हर महीने 3,000 रुपये तक का बिल आता था, अब बिजली बिल की कोई चिंता नहीं है। साथ ही 24 घंटे निर्बाध बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से मुझे न सिर्फ मासिक बिजली बिल से मुक्ति मिली, बल्कि बारिश के दिनों में होने वाली आपदा की स्थिति में बिजली बंद की चिंता भी खत्म हो गई है।

विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि महासमुंद जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना के तहत, 142 परिवार न सिर्फ ऊर्जा बचा रहे हैं, बल्कि अपनी जीवनशैली में भी बड़ा बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पंजीयन कार्य जारी है। उल्लेखनीय है कि सोलर प्लांट को विद्युत ग्रिड से जोड़ा जाता है।

यदि उपभोक्ता जरूरत से अधिक बिजली पैदा करता है, तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड को सप्लाई कर सकता है, जिससे अतिरिक्त आय भी मिलती है। सरकार द्वारा एक किलोवाट वाले प्लांट पर 30 हजार रुपए सब्सिडी, 2 किलोवाट वाले प्लांट पर 60 हजार रुपए सब्सिडी एवं 3 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले प्लांट पर 78,000 रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। जो कनेक्शन के लगते ही 15 से 30 दिन के भीतर प्राप्त हो जाता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950